घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 121- सोमवार 02- मार्च 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

प्रधानमंत्री मोदी ने तमिलनाडु में 4,400 करोड़ का प्रोजेक्ट्स शुरू किया...

तमिलनाडु भारत के भविष्य को आकार देने में निर्णायक भूमिका निभाएगा : पीएम मोदी

चेन्नई,01 मार्च 2026। पीएम नरेंद्र मोदी रविवार को तमिलनाडु के मदुरै पहुंचे। यहां उन्होंने 4,400 करोड़ रुपए से ज्यादा के इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स का भी उद्घाटन किया। साथ ही तमिलनाडु में आठ नए बने अमृत भारत रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन किया। तीन नए आकाशवाणी एफएम रिले ट्रांसमीटर का उद्घाटन भी किया। इसके बाद मोदी ने सभा को संबोधित किया। मोदी ने कहा, तमिलनाडु राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में निर्णायक भूमिका निभाएगा। हमारा सामूहिक लक्ष्य एक विकसित भारत के लिए एक विकसित तमिलनाडु है।

तमिलनाडु राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में निर्णायक भूमिका निभाएगा : मोदी

प्रत्येक भारतीय 2047 तक एक विकसित राष्ट्र के निर्माण के लिए प्रेरित है। तमिलनाडु राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में निर्णायक भूमिका निभाएगा। हमारा सामूहिक लक्ष्य एक विकसित भारत के लिए एक विकसित तमिलनाडु है। केंद्र सरकार समावेशी विकास और राज्य की प्रगति को सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

तमिलनाडु कई इंडस्ट्री का घर है : मोदी

हम सब जानते हैं कि तमिलनाडु कई इंडस्ट्री का घर भी है, इसे बढ़ावा देने के लिए केंद्र की कई योजनाएं लागू की गई हैं। हर भारतीय देश को 2047 को विकसित बनाने के लिए योगदान दे रहा है। तमिलनाडु भी इसमें तेजी से अपना योगदान दे रहा है। तमिलनाडु का समृद्ध इतिहास और विरासत है। आदिचनल्लूर जैसे ऐतिहासिक स्थलों को वैश्विक धरोहर स्थलों के रूप में विकसित किया जाएगा।

भारतीय रेलवे में ऐतिहासिक परिवर्तन आया : मोदी

पिछले एक दशक में भारतीय रेलवे में ऐतिहासिक परिवर्तन आया है। यह एक आधुनिक,कुशल और जन-केंद्रित परिवहन प्रणाली के रूप में उभर रहा है। यह परिवर्तन विशेष रूप से तमिलनाडु में दिखाई देता है। हमारी सरकार के सत्ता में आने के बाद से तमिलनाडु के लिए रेलवे बजट आवंटन में लगभग नौ गुना वृद्धि हुई है। 2009 से 2014 तक,रेलवे के लिए औसत वार्षिक आवंटन 880 करोड़ रुपये था। 2026-27 में, यह आवंटन बढ़कर 7600 करोड़ रुपये हो गया है।

रेडियो स्टेशन का उद्घाटन करके बहुत खुशी हुई : मोदी

अभी 9 वंदे भारत ट्रेन और 9 अमृत भारत ट्रेनें राज्य के लोगों को फायदा पहुंचा रही हैं। चेन्नई की कोच फैक्ट्री में ये बन रही हैं जो मेक इन इंडिया को बढ़ावा है। अमृत भारत स्टेशन के तहत 8 स्टेशनों का उद्घाटन आज किया जा रहा है, इससे इनको नई पहचान मिलेगी। आकाशवाणी के रेडियो स्टेशन का उद्घाटन करके बहुत खुशी हुई, ये आज से आपकी सेवा में हैं। राज्य की इन्फ्रा फंडिंग तिगुनी कर दी गई है। ये पिछले दशक के कंपैरिशन में कई ज्यादा है। रेयर अर्थ कॉरिडोर के लिए भी राज्य को बजट में फंड दिया गया है। तमिलनाडु के पास रिच हिस्ट्री है।

तमिलनाडु में इन्फ्रास्ट्रक्चर बजट में तीन गुना बढ़ोतरी की गई : मोदी

तमिलनाडु में इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए आवंटित धनराशि पिछले दशक की तुलना में तीन गुना बढ़ गई है। 2026 का बजट भी इस प्रवृत्ति को जारी रखते हुए तमिलनाडु पर विशेष ध्यान केंद्रित करता है। इस बजट में हमने बेंगलुरु-चेन्नई और चेन्नई-हैदराबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर का प्रस्ताव रखा है। ये कॉरिडोर इस पूरे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव लाएंगे।

महाराष्ट्र के नागपुर में बारूद कंपनी में ब्लास्ट,17 की मौत

18 लोगों की हालत गंभीर,मटेरियल बनाते वक्त धमाका हुआ

महाराष्ट्र,01 मार्च 2026। महाराष्ट्र में नागपुर जिले के राउलगांव स्थित गोला-बारूद निर्माण कंपनी एसबीएल एनर्जी लिमिटेड में रविवार सुबह करीब 7 बजे धमाका हो गया। हादसे में 17 कर्मचारियों की मौत हो गई, जबकि 18 घायल हो गए। घायलों में से कई की हालत गंभीर है। हादसे की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और रेस्क्यू टीमें मौके पर पहुंची। फैक्ट्री में लगी आग पर काबू पाने की कोशिश जारी है। फायर ब्रिगेड ने बताया कि ब्लास्ट से कंपनी में चारों तरफ मलबा फैल गया है। मलबे में दबे कुछ कर्मचारियों को निकाला गया है। 15 घायलों को नागपुर के अस्पताल ले जाया गया है। वहीं पीएम मोदी ने घटना पर शोक जताया, साथ ही मृतकों के परिजन को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार की सहायता राशि देने की घोषणा की।

क्या विस्फोट डेटोनेटर तैयार करते समय हुआ था : नागपुर के कलमेश्वर में स्थित एसबीएल एनर्जी लिमिटेड (पूर्व में स्पेशल ब्लास्ट लिमिटेड) औद्योगिक विस्फोटकों की एक प्रमुख निर्माता कंपनी है। यह कंपनी खनन परियोजनाओं के लिए विस्फोटक,डेटोनेटर जैसे विस्फोटक बनाती है। रविवार सुबह कर्मचारियों ने काम शुरू ही किया था,तभी प्लांट में डेटोनेटर बनाने की प्रोसेस के दौरान एक तेज धमाका हो गया। विस्फोट इतना भीषण था कि उसकी आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी। हादसे के दौरान कंपनी में 30 से ज्यादा कर्मचारी काम कर रहे थे।

सीएम फडणवीस ने खेद जताया : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ट्वीट कर कहा- एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें भी घटनास्थल पर मौजूद हैं। 17 लोगों ने अपनी जान गंवाई है। मैं मृतकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। इस घटना में 18 लोग घायल हुए हैं। घायलों को तुरंत नागपुर ले जाया गया है। आपातकालीन आदेश जारी कर दिए गए हैं।

यात्रियों में हाहाकार...जमीन पर थमे विमान,ईरान-इजराइल संकट से भारत की 850 उड़ानें रद्द

नई दिल्ली,01 मार्च 2026। ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हालिया सैन्य हमलों के बाद मध्य पूर्व (मिडल ईस्ट) में उपजे तनाव ने वैश्विक हवाई यातायात की कमर तोड़ दी है। युद्ध की विभीषण स्थिति को देखते हुए कई देशों द्वारा अपना हवाई क्षेत्र (एयरस्पेस) बंद किए जाने के कारण भारत सहित पूरी दुनिया में अंतरराष्ट्रीय और घरेलू उड़ानों पर गहरा असर पड़ा है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, ईरान और आसपास के क्षेत्रों में लगे हवाई प्रतिबंधों के चलते शनिवार को भारतीय एयरलाइंस की लगभग 410 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। संकट की गंभीरता को देखते हुए रविवार 1 मार्च को भी 444 अन्य उड़ानों के रद्द होने की आशंका जताई गई है, जिससे कुल प्रभावित उड़ानों का आंकड़ा 850 के पार पहुंचने का अनुमान है। यह वैश्विक विमानन संकट 28 फरवरी को उस समय शुरू हुआ जब अमेरिका और इजराइल ने ईरान के रणनीतिक ठिकानों पर हमले किए,जिसके जवाब में ईरान ने भी मिसाइलें दागकर जवाबी कार्रवाई की। सुरक्षा कारणों से ईरान, इराक, कुवैत,बहरीन,कतर,इजराइल,जॉर्डन,लेबनान,सऊदी अरब,ओमान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे महत्वपूर्ण देशों ने अपने आसमान को विमानों के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। फ्लाइट ट्रैकिंग सेवाओं के मुताबिक,इन क्षेत्रों में हवाई यातायात लगभग ठप्प हो गया है,जिससे दुबई, दोहा और अबू धाबी जैसे दुनिया के सबसे व्यस्त हब एयरपोर्ट्स पर सन्नाटा पसरा है। लाखों यात्री दुनिया भर के हवाई अड्डों पर फंसे हुए हैं और अपनी मंजिलों तक पहुंचने के लिए अनिश्चितता के दौर से गुजर रहे हैं।

पश्चिम बंगाल में 50 लाख घुसपैठिए वोटर लिस्ट से हटाए...

भाजपा अध्यक्ष का दावा-ये देश की सुरक्षा के लिए खतरा,इन्हें बाहर करने का समय आया

कूच बिहार, 01 मार्च 2026। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को पश्चिम बंगाल के कूच बिहार जिले में भाजपा की परिवर्तन यात्रा की शुरुआत की। इस मौके पर सभा को संबोधित करते हुए नवीन ने दावा किया कि बंगाल में 50 लाख से ज्यादा घुसपैठियों को वोटर लिस्ट से हटाया गया है। पश्चिम बंगाल में एक दिन पहले ही स्पेशल इंटेंसिव रिविजन के बाद जारी वोटर लिस्ट से 63.66 लाख नाम हटाए गए हैं। नवीन ने आरोप लगाया कि जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए, वे घुसपैठिए थे और वे असली नागरिकों के लिए बनी सरकारी नौकरियों और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ले रहे थे। ये लोग न सिर्फ असली नागरिकों के अधिकारों का उल्लंघन कर रहे थे, बल्कि देश की सुरक्षा के लिए भी खतरा थे। घुसपैठियों के लिए हमारा संदेश है कि अब समय आ गया है कि उन्हें बंगाल की धरती से बाहर किया जाए। हमें न सिर्फ घुसपैठियों को हटाना है, बल्कि एक मजबूत सरकार भी बनानी है जो विकास ला सके।

भ्रष्ट टीएमसी सरकार सिर्फ घुसपैठियों के लिए काम करती है : नवीन

भाजपा अध्यक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने घुसपैठियों को फर्जी दस्तावेज दिलाकर उन्हें संरक्षण दिया। ममता बनर्जी ने वोटर लिस्ट में शामिल घुसपैठियों को बचाने के लिए अदालतों का रुख किया,क्योंकि वे उनका वोट बैंक हैं। लेकिन जब महिलाओं का अपमान होता है, तो दीदी चुप रहती हैं। राज्य को भ्रष्ट टीएमसी सरकार से मुक्त कराने की जरूरत है,जो सिर्फ घुसपैठियों के लिए काम करती है। ममता दीदी, क्या आपने इसी सोनार बांग्ला का सपना दिखाया था,जहां सिर्फ भ्रष्टाचार हो,अराजकता हो और यहां के लोगों का शोषण हो। अब यहां का युवा बहुत परेशान हो चुका है। इन सभी का हिसाब लेने के लिए ही यह परिवर्तन यात्रा निकल रही है। जिस वंदे मातरम् के गान से पूरा देश आजाद हुआ, आज जब हम उसकी 150वीं जयंती मनाते हैं, तो टीएमसी के सांसद संसद में उसे रोकते हैं। जिस वंदे मातरम् ने पूरे देश को आजादी दिलाई, उसी वंदे मातरम् का टीएमसी के सांसद अपमान करते हैं। ममता दीदी, वंदे मातरम् ने अंग्रेजों से आजादी दिलाई थी, और अब वही वंदे मातरम् की गूंज बंगाल को आपकी अराजकता से आजाद करेगी और बंगाल को मुक्ति दिलाएगी। आज की ये यात्रा जो 5,000 किलोमीटर से अधिक की होगी और बंगाल के घर घर तक जाएगी। जहां अब तक केवल वादे और अहंकार के शब्द पहुंचे थे,वहां भाजपा परिवर्तन की आवाज के साथ पहुंचने वाली है।

खामेनेई की मौत पर पाकिस्तान में उबाल

कराची में अमेरिकी दूतावास के पास हिंसक झड़प,12 लोगों की मौत,30 घायल

नई दिल्ली,01 मार्च 2026। ईरान के सर्वोच्च नेता आयातुल्लाह अली खामेनेई की हत्या के बाद पाकिस्तान के कराची शहर में हालात तनावपूर्ण हो गए। रविवार को माई कोलाची रोड स्थित अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के पास प्रदर्शन हिंसक रूप ले बैठा और प्रदर्शनकारियों की कानून-व्यवस्था बलों से झड़प हो गई। इस प्रदर्शन में 12 लोगों की मौत और 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। कराची पुलिस की मुख्य सर्जन सुमैया सैयद ने बताया कि प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प के बाद मृतकों के शव कराची सिविल अस्पताल लाए गए। पुलिस अधिकारियों ने मृतकों की संख्या या मौत के कारण की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। अधिकारियों के अनुसार, प्रदर्शनकारी दूतावास के परिसर के केवल बाहरी क्षेत्र तक ही पहुंच सके थे, उसके बाद उन्हें तितर-

बितर कर दिया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया। इस दौरान 30 से अधिक लोग घायल हुए। घायलों को एंबुलेंस के जरिए सिविल अस्पताल कराची पहुंचाया गया। सिंध के गृह मंत्री जियाउल हसन लांजर ने कराची के अतिरिक्त पुलिस महानिरीक्षक आजाद खान से घटना की विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है। प्रदर्शनकारियों ने दूतावास की ओर कूच किया और प्रवेश करने का प्रयास किया।

अयातुल्ला आराफी ईरान के अंतरिम सुप्रीम लीडर बने,खामेनेई की ईरान बोला... अमेरिका-इजराइल से खतरनाक बदला लेंगे

तेल अवीव/तेहरान,01 मार्च 2026। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के अगले दिन अयातुल्ला अलीरेजा आराफी को अंतरिम सुप्रीम लीडर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। 67 साल के आराफी अली खामेनेई के करीबी माने जाते हैं और लंबे समय से ईरान की धार्मिक-राजनीतिक व्यवस्था में अहम भूमिका निभाते रहे हैं। आराफी असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स के उपाध्यक्ष हैं, जो सुप्रीम लीडर की नियुक्ति करती है। वे गार्जियन काउंसिल के सदस्य भी रह चुके हैं और फिलहाल ईरान की सेमिनरी प्रणाली का नेतृत्व कर रहे हैं। इजराइल की वायु सेना का कहना है कि उसने अमेरिका के साथ संयुक्त हमले में पिछले एक दिन में ईरान पर 1,200 से ज्यादा बम गिराए हैं। इन हमलों में सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई है। उनके ऑफिस कॉम्प्लेक्स पर शनिवार को 30 मिसाइलों से हमला हुआ था। हमले में उनकी बेटी-दामाद, बहू और पोती समेत कॉम्प्लेक्स में मौजूद 40 कमांडर्स भी मारे गए हैं। हमले के समय खामनेई कमांडर्स के साथ मीटिंग कर रहे थे। इजराइल के प्रधानमंती नेतन्याहू ने शनिवार देर रात खामनेई के मारे जाने की बात कही थी।

पुंछ में एलओसी के पास भारतीय सीमा में घुसा पाकिस्तान का ड्रोन,सेना ने की फायरिंग

जम्मू,01 मार्च 2026। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में तड़के नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार से भारतीय सीमा में प्रवेश करने वाले पाकिस्तान के ड्रोन को मार गिराने के लिए सेना के जवानों को गोलीबारी करनी पड़ी। हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि ड्रोन कुछ देर दिगवार इलाके में मंडराने के बाद पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में लौट गया। तीन दिनों में यह दूसरी बार है जब सीमा पार से ड्रोन की आवाजाही का पता चलने के बाद सैनिकों ने गोलीबारी की। अधिकारियों ने कहा कि अग्रिम चौकी पर तैनात सैनिकों ने सुबह करीब छह बजकर 10 मिनट पर दुश्मन के ड्रोन को देखा और उसे गिराने के लिए एक दर्जन से अधिक राउंड गोलियां चलाईं। हालांकि, ड्रोन गोलियों से बच गया और तुरंत वापस लौट गया। अधिकारियों ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए एक तलाशी अभियान शुरू किया गया कि ड्रोन से कोई हथियार या नशीले पदार्थ न गिराए गए हों।

प्रियंका गांधी ने ईरान-इजराइल तनाव पर कहा-आज युद्ध नहीं शांति की आवश्यकता

नई दिल्ली,01 मार्च 2026। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या और उसके बाद अमेरिका व इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए संयुक्त हमलों को घृणित करार दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स (पूर्व ट्विटर) पर एक पोस्ट करते हुए कहा, कि लोकतांत्रिक दुनिया के नेताओं द्वारा किसी संप्रभु राष्ट्र के नेता की लक्षित हत्या और निर्दोष लोगों की मौत स्पष्ट रूप से निंदा के योग्य है।

प्रियंका गांधी ने महात्मा गांधी के कथन का हवाला देते हुए कहा, आंख के बदले आंख पूरी दुनिया को अंधा कर देती है, और जो दुनिया को आज जरूरत है, वह अनावश्यक युद्धों की नहीं बल्कि शांति की है। उन्होंने भारत सरकार से अपील की कि प्रभावित देशों में फंसे सभी भारतीय नागरिकों को सुरक्षित वापस लाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएं। सांसद प्रियंका गांधी के बयान से पहले, आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भी अयातुल्ला खामेनेई की हत्या पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। सिंह ने इसे एक युग का अंत बताया और भारत-ईरान के ऐतिहासिक संबंधों पर प्रकाश डाला।

आम आदमी पार्टी ने जंतर-मंतर से भाजपा और दिल्ली सरकार को घेरा...केजरीवाल बोले- देश में डर का माहौल

नई दिल्ली,01 मार्च 2026। आम आदमी पार्टी (आआपा) के नेताओं ने रविवार को जंतर-मंतर पर जनसभा करके भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और दिल्ली सरकार को घेरा। आआपा के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जनसभा को संबोधन करते हुए कहा कि देश में इस समय डर का माहौल है और उसके बावजूद जज साहब ने देश के हक में धाकड़ फैसला सुनाया, उसके लिए वे जज साहब का शुक्रिया अदा करते हैं। उन्होंने कहा कि वे भारत मां से प्यार करता हैं और अपना पूरा जीवन देश की सेवा और विकास के लिए समर्पित कर दिया। जब वे आयकर विभाग में कमिश्नर थे तो वहां भी उनकी ईमानदारी के चर्चे होते थे, उनकी ईमानदारी की कसमें खाई जाती थीं। इसके बाद जब वे दिल्ली का मुख्यमंत्री बने, उस दौरान भी उन्होंने किसी से भी एक पैसा नहीं लिया और पूरी ईमानदारी से काम किया । केजरीवाल ने कहा कि देश की जनता कांग्रेस से परेशान हो गई थी और लोगों ने बड़ी उम्मीदों से मोदीजी की सरकार

बनाई थी। लेकिन कुछ नहीं सुधरा बल्कि और भी ज्यादा बर्बाद कर दिया है। पूरे देश में पेपर लीक हो रहे हैं और प्रधानमंत्री मोदी परीक्षा पर चर्चा कर रहे हैं। केजरीवाल ने कहा कि उन्हें गिरफ्तार करके पूरे देश को संदेश देना चाहा कि अगर ईमानदारी से काम करोगे तो अरविंद केजरीवाल जैसा हाल होगा।आआपा ने देश के बच्चों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों को उम्मीद दी और भाजपा को इससे डर लग गया था, इसलिए उन्हें जेल में डाला गया। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में एक साल पहले भाजपा की सरकार आई थी और उसके भुक्त भोगी यहां मौजूद हैं। इन्होंने रैलियों में बड़े-बड़े जुमले दिए थे। लेकिन अब इन्होंने हजारों लोगों की नौकरियां छीन ली हैं। आआपा नेता मनीष सिसोदिया ने कहा कि अरविंद केजरीवाल और उनकी सेना काजल की काल कोठरी से बिना किसी दाग लगे बाहर आई। उन्होंने कहा कि केजरीवाल के हौसले को सलाम करने के लिए जंतर-मंतर पर आआपा की सेना उमड़ पड़ी है। आज पूरा देश कह रहा है कि अरविंद केजरीवाल और आआपा कट्टर ईमानदार हैं। आआपा ने जंतर-मंतर से चलकर दिल्ली,पंजाब,गोवा,गुजरात, मध्य प्रदेश और जम्मू-कश्मीर समेत देशभर में ऐतिहासिक काम कर रही है। सांसद संजय सिंह ने कहा कि अरविंद केजरीवाल सरकार ने लोगों को फ्री बिजली,पानी,शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाएं दीं। दिल्ली में शानदार सरकारी स्कूल, अस्पताल और मोहल्ला क्लीनिक बनवाए। उन्होंने कहा कि भाजपा को आआपा की 'काम की राजनीति' से डर लगने लगा।

भारत में अब चिप डिजाइन और डीप टेक स्टार्टअप्स पर होगा जोर : अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली,01 मार्च 2026। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को 'गुजरात सेमीकनेक्ट कॉन्फ्रेंस 2026' में देश के भविष्य को लेकर बड़ा रोडमैप पेश किया। उन्होंने कहा कि भारत का सेमीकंडक्टर मिशन अब अपने दूसरे चरण यानी 'सेमीकॉन 2.0' में प्रवेश कर रहा है। इस नए चरण का मुख्य फोकस डीप टेक स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना और देश में एक मजबूत डिजाइन इकोसिस्टम तैयार करना है। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सेमीकॉन 1.0 का मुख्य लक्ष्य भारत में मैन्युफैक्चरिंग

यूनिट्स लगाना था। सरकार को इसमें बड़ी सफलता मिली है। अब देश में कुल 10 प्लांट हैं। इनमें से पहले प्लांट ने कल से कमर्शियल उत्पादन शुरू कर दिया है और दूसरा प्लांट भी बहुत जल्द काम शुरू कर देगा। मंत्री ने कहा कि सेमीकॉन 2.0 पिछले चरण से काफी अलग होगा। अब सरकार चाहती है कि भारतीय स्टार्टअप्स दुनिया की दिग्गज कंपनियों जैसे क्वालकॉम, ब्रॉडकॉम और एनवीडिया की तरह पहचान बनाएं। उन्होंने स्वीकार किया कि यह सफर चुनौतीपूर्ण है, लेकिन सरकार इसके लिए पूरी तरह तैयार और व्यावहारिक है। अगले चरण में सरकार का जोर सिर्फ चिप बनाने पर ही नहीं, बल्कि इसके लिए जरूरी मशीनों और उपकरणों के निर्माण पर भी होगा। भारत में ही टेस्टिंग और वैलिडेशन की सुविधाएं विकसित की जाएंगी। मंत्री के अनुसार, अगले 20 साल की मजबूत नींव रखने के लिए देश में ही मटेरियल और मशीनों का इकोसिस्टम बनाना बहुत जरूरी है। टैलेंट के मुद्दे पर वैष्णव ने खुशी जताई कि सेमीकॉन 1.0 के तहत 10 साल में 85,000 इंजीनियरों को ट्रेनिंग देने का लक्ष्य था। भारत ने यह लक्ष्य महज 4 साल में ही हासिल कर लिया है। अब सेमीकॉन 2.0 में भी युवाओं की ट्रेनिंग सबसे बड़ी प्राथमिकता रहेगी। दुनिया भर में सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री तेजी से बढ़ रही है और जल्द ही यह 1 ट्रिलियन डॉलर की इंडस्ट्री बन जाएगी। इस विस्तार के कारण बाजार में 20 लाख कुशल लोगों की कमी होगी। यह भारतीय छात्रों के लिए एक सुनहरा मौका है। इस मांग को पूरा करने के लिए सरकार इस मिशन से जुड़ी यूनिवर्सिटी की संख्या 350 से बढ़ाकर 500 करेगी। अब हर राज्य के कॉलेजों में छात्रों को चिप डिजाइन, मैन्युफैक्चरिंग और टेस्टिंग की ट्रेनिंग मिल सकेगी।

संपादकीय

कठघरे में खड़ीं जांच एजेंसियां

दिल्ली शराब घोटाले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया समेत सभी 23 आरोपियों को बरी कर दिया है। अदालत ने सीबीआई की चार्जशीट में खामियां पाईं और कहा कि कोई साजिश नहीं थी...

दिल्ली के बहुचर्चित शराब घोटाले में सीबीआई की राऊज एवेन्यू कोर्ट की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया समेत सभी 23 आरोपितों को बरी किया जाना जहां इन दोनों नेताओं और उनकी पार्टी के लिए एक बहुत बड़ी जीत है,वहीं जांच एजेंसी के साथ-साथ भाजपा के लिए बड़ा झटका है। अदालत ने यह पाया कि पूरे मामले में कोई साजिश नहीं थी और सीबीआई ने केवल अनुमान के आधार पर षड्यंत्र की कहानी गढ़ी। विशेष जज ने अपने फैसले में यह भी कहा कि मैं पहली बार ऐसी चार्जशीट देख रहा हूं, जिसमें इतनी अधिक खामियां हैं। उन्होंने लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की भी बात कही।

जब केजरवाल सरकार नई आबकारी नीति लाई थी तो कांग्रेस-भाजपा ने इसे घोटाले का नाम दिया। इसके बाद उपराज्यपाल की पहल पर मामला दर्ज हुआ और जांच सीबीआई को सौंपी गई। इस दौरान ऐसे आरोप उछले कि आबकारी नीति के जरिये कुछ लोगों को अनुचित लाभ पहुंचाने से दिल्ली सरकार को दो हजार करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ।

इस मामले में सीबीआई के बाद ईडी ने भी दखल दिया, लेकिन सीबीआई का केस खारिज होने के बाद ईडी के मामले के भी खारिज होने के आसार हैं। इन दोनों जांच एजेंसियों ने इस कथित घोटाले को लेकर पर्याप्त साक्ष्य होने के दावे किए और फिर एक के बाद एक कई लोगों को गिरफ्तार किया। प्रमुख लोगों में पहले मनीष सिसोदिया गिरफ्तार हुए और फिर अरविंद केजरीवाल। दोनों को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल सकी।

हालांकि सीबीआई केजरीवाल,सिसोदिया और अन्य को बरी करने के फैसले के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट गई है, पर राऊज एवेन्यू कोर्ट के जज ने उसके खिलाफ जैसी टिप्पणियां की हैं,उनसे यह संदेह होता है कि कहीं सीबीआई ने मनमाने तरीके से तो जांच नहीं की? यही सवाल ईडी को लेकर भी है। ध्यान रहे कि न जाने कितने ऐसे मामले हैं, जिनमें सीबीआई प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट और ईडी प्रिवेंशन ऑफ मनी लांड्रिंग एक्ट के तहत मिली शक्तियों के सहारे नेताओं,कारोबारियों समेत अन्य अनेक लोगों को घपले-घोटालों के आरोप में गिरफ्तार कर लेती है और फिर उनमें से अधिकांश साक्ष्य के अभाव में बरी हो जाते हैं, लेकिन जब तक ऐसा होता है,तब तक संबंधित व्यक्ति की प्रतिष्ठा पर आंच आ चुकी होती है और उसकी भरपाई नहीं हो पाती।

इसीलिए राऊज एवेन्यू कोर्ट के जज ने कहा कि जब किसी की व्यक्तिगत स्वतंत्रता बाधित हो जाती है तो उसके बरी होने के बाद भी वह सार्थक रूप से बहाल नहीं होती और अन्यायपूर्ण हिरासत से हुई क्षति की पूर्ति भी नहीं हो पाती। वास्तव में ऐसे लोगों को आर्थिक के साथ सामाजिक नुकसान भी उठाना पड़ता है। नेता भी नुकसान उठाते हैं, लेकिन बरी होने के बाद वे लोगों की हमदर्दी हासिल कर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश करते हैं।

उन्हें यह प्रचारित करने में आसानी होती है कि वे राजनीतिक बदले की कार्रवाई का शिकार हुए। इस पर हैरानी नहीं कि केजरीवाल ने ऐसा कहना शुरू कर दिया है। उन्हें नई राजनीतिक ऊर्जा मिली है और इसका असर आने वाले दिनों में पंजाब, गुजरात और दिल्ली की राजनीति में दिख सकता है। चूंकि आम आदमी पार्टी कांग्रेस के वोट में सेंधमारी करती है,इसलिए उसका चिंतित होना स्वाभाविक है।

अब यह आम बात है कि घपले-घोटालों के कई मामलों में सीबीआई के साथ ईडी भी जांच शुरू कर देती है। जब ईडी किसी को गिरफ्तार करती है तो उसे जमानत मिलना कठिन हो जाता है। कई बार जमानत इसलिए नहीं मिलती, क्योंकि सीबीआई और ईडी की ओर से इस पर जोर दिया जाता है कि जेल से बाहर आने पर आरोपित गवाहों को प्रभावित कर सकता है। कहना कठिन है कि राऊज एवेन्यू कोर्ट के फैसले के खिलाफ हाई कोर्ट गई सीबीआई को क्या हासिल होगा, लेकिन जब तक हाई कोर्ट भिन्न निर्णय नहीं देता,तब तक भाजपा एवं मोदी सरकार को केजरीवाल और उनके साथियों की आलोचना का सामना करना होगा।

इसी के साथ सीबीआई और ईडी की भी किरकिरी होती रहेगी। आगे जो भी हो,यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि नेताओं के मामलों में राजनीतिक द्वेष के तहत भी कार्रवाई होती है और जांच एजेंसियों का दुरुपयोग होता है। इसी कारण एक बार सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को पिंजरे का तोता कहा था। एक ओर नेताओं-नौकरशाहों के भ्रष्टाचार के जिन मामलों की जांच सीबीआई या ईडी की ओर से की जाती है, उनमें से अधिकांश अदालत में ठहर नहीं पाते और दूसरी ओर यह देखने में आ रहा है कि उनके भ्रष्टाचार के मामले कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं। यह समझना कठिन है कि जब सीबीआई अथवा ईडी किसी को गिरफ्तार करती हैं तो जो अदालतें उसे जेल भेजती हैं, रिमांड पर देती हैं या फिर जमानत देने से मना करती हैं, वही उन्हें बरी करने के नतीजे पर कैसे पहुंच जाती हैं? जेल भेजने का काम तो अदालतें ही करती हैं, न कि जांच एजेंसियां।

यह सही समय है कि सरकार अपनी इस प्रतिबद्धता पर गंभीरता दिखाए। इसी के साथ अब ऐसी व्यवस्था भी आवश्यक है कि सीबीआई और ईडी जैसी एजेंसियां बिना किसी ठोस साक्ष्य लोगों को मनमाने तरीके से गिरफ्तार न कर सकें और यदि उनके अधिकारी मनमानी करें तो उन्हें दंडित किया जाए, ताकि भ्रष्टाचार से लड़ने के नाम पर बदले की कार्रवाई न हो सके और भ्रष्टाचार से लड़ा भी जा सके। इस मामले में सरकार के साथ न्यायपालिका को भी विचार करना होगा। उसे यह देखना होगा कि उसके फैसले यथाशीघ्र आएं।

दिलों को दिल से जोड़ती पवित्र सनातनी होली

संजीव ठाकुर
रायपुर,छत्तीसगढ़

होलिका दहन की अद्भुत गाथा,विश्व में अद्वितीय...

फाल्गुनी रंगो से मनाई जाने वाली होली न सिर्फ भाईचारे,सौहार्द्र और प्यार, स्नेह का त्यौहार है। यह महान पर्व शत्रुता हरण करने वाला भी पवित्र त्यौहार है। होलिका दहन और रंगों के खेलने की की परंपरा अलौकिक है। होलिका दहन के रूप में समाज में व्याप्त बुराई को नष्ट करने की अद्भुत परंपरा सिर्फ हमारे देश में ही है। ऐसी विलक्षण तथा इस होलिका दहन तथा होली के इस पावन पर्व पर जुड़ी हुई है। प्राचीन सांस्कृतिक कथा के अनुसार हिरण्यकश्यपु नामक राक्षस राजा हुआ करता था। प्राचीन काल मे ब्रम्हाजी की तपस्या से उसने वरदान प्राप्त कर लिया था,कि उसे न देवता मार सके न ही कोई अन्य जीव जन्तु,न दिन मे मरे न रात मे,न अस्त्र से न शस्त्रों से,न धरती पर न आकाश मे उसकी मृत्यु हो ,इस तरह उसने अमरत्व प्राप्त कर लिया था। धीरे धीरे उसे इतना घमंड हो गया कि वह अपने को भगवान विष्णु और ब्रह्मा से बढकर भगवान समझने लगा,राज्य मे कोई व्यक्ति किसी भगवान की पूजा नही कर सकता था,केवल हिरण्कश्यपु की ही पूजा हो सकती थी ।

कालांतर में उसके एक पुत्र हुआ ,बालक बड़ा ही धार्मिक प्रवृत्ति का था और भगवान विष्णु का भक्त भी,यह बात राजा को अत्यंत नागवार गुजरती थी,उसने अपने पुत्र को बहुत समझाने का प्रयास किया कि उसका पिता राजा हिरण्यकश्यपु ही एकमात्र भगवान है,पर बालक अपने पिता के इस अधर्मी आदेश को नही मानता था,

बालक प्रह्लाद के ऊपर सख्ती करने हेतु उसके पिता हिरण्यकशयपु ने उसे समुद्र मे फेंकने का आदेश दिया,उसे हाथी कुचलने का आदेश दिया,पहाड से नीचे फेंका गया पर भगवान विष्णु की भक्ति और दया से बालक प्रह्लाद जीवित सकुशल बच गया ।अंत मे राजा ने अपनी बहन और बालक प्रह्लाद की बुआ होलिका का सहारा लिया,होलिका को जी तपस्या से एक ऐसे कपडे का वरदान प्राप्त था, जिसे पहनने पर वह अग्नि से जल नही सकती थी ।

इसी वरदान का फायदा उठाते हुए ,होलिका ने बालक प्रह्लाद को गोद मे लेकर अग्नि स्नान किया,पर होलिका की चुनरी उड कर प्रह्लाद पर लिपट गई ,और दुष्ट होलिका जलकर भस्म हो गई,प्रह्लाद फिर बच गए। इस तरह होलिका दहन का त्यौहार होलिका नामक बुराई को अग्नि से खत्म करने की प्रथा चली आई है।

प्रह्लाद को राजा ने एक विशाल खंबे से बांध दिया और तलवार लेकर उसपर टूट पडा और पूछा बता तेरा भगवान कहां है,बालक ने बड़ी निडरता से कहा भगवान हर जगह हैं ,आप मे,मुझ मे,आपकी तलवार मे इस,इस खंबे मे भी ।

तब हिरण्यकश्यप ने क्रोध से कहा तो देख तेरा भगवान तुझे कैसे बचाता है और उसने उसे मारने के लिए तलवार उठाई,तभी खंबे को फाड़कर एक भयानक जीव निकला,जो न नर था न दानव उसने राजा को गोद मे लिया और अपने नुकीले नाखून से राजा का पेट फाड़ दिया ।

बालक प्रह्लाद की अनन्य भक्ति को देखकर उसको भक्त प्रह्लाद कहा जाने लगा। भगवान विष्णु के अवतार नरसिंह भगवान ने हिरण कश्यप का वध कर अहम दंभ और बुराइयों को खत्म किया और तब से होली का त्योहार प्राचीन समय से भारत देश में मनाया जा रहा है।

होली पूरे विश्व में अनूठा,अद्भुत, अतुलनीय भाईचारे प्रेम रूप में मनाया जाता है,एक दूसरे को रंग गुलाल लगाकर खुशियां मनाई जाती है, एक दूसरे को मिठाई भी खिलाई जाती है। होलिका दहन के दूसरे दिन रंगों का त्योहार बहुत ही खुशी से आजादी तो क्यों मनाया जाता है देश की इस महान परंपरा को प्रणाम।

स्वतंत्रता सेनानी सरोजिनी नायडू की प्रेरक जीवन यात्रा

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा,उत्तरप्रदेश

भारत भूमि कर्म की पुण्य धरा है। यह साहित्य,शिक्षा, संस्कृति, संगीत,कला,ज्ञान-विज्ञान की जननी है और पोषक भी। यहां जीवन के विविध क्षेत्रों में जहां पुरुषों ने विश्व-गगन में अपनी सामर्थ्य की गौरव पताका फहराई है तो महिलाओं ने भी सफलता के शिखर पर अपने पदचिह्न अंकित किए हैं। सरोजिनी नायडू भारतीय राजनीति और काव्य कानन की एक ऐसी ही महाविभूति हैं जिनके कृतित्व और व्यक्तित्व की सुवास से विश्व महमहा रहा है। जिनकी आभा से जग चमत्कृत है। लोक ने 'दि नाईटिंगेल ऑफ इंडिया' कह उनकी प्रशस्ति की। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पहली महिला अध्यक्ष होने का गौरव हासिल किया तो भारत के किसी राज्य की सर्वप्रथम राज्यपाल बनने का कीर्तिमान भी रचा। कविताओं में प्रेम और मृत्यु के गीत गाये तो प्रकृति के कोमल उदात्त मनोहारी चित्रों में लेखनी से इंद्रधनुषी रंग भरे। किसान-कामगारों के श्रम के प्रति निष्ठा व्यक्त की तो देश राग को क्रान्ति स्वर भी दिया। उनका जीवन प्रेरक है और अनुकरणीय भी।

भारत कोकिला सरोजिनी नायडू का जन्म 13 फरवरी, 1879 को हैदराबाद में एक शिक्षित बंगाली परिवार में हुआ था। पिता अघोरनाथ चट्टोपाध्याय एक विज्ञानी और शिक्षाशास्त्री थे जिन्होंने हैदराबाद में निजाम कॉलेज की स्थापना की थी। माता श्रीमती वरद सुंदरी गृहिणी थी और बांग्ला भाषा में कविताएं लिखती थीं। परिवार के शैक्षिक एवं साहित्यिक परिवेश का प्रभाव सरोजिनी के बालमन पर पड़ना ही था। तभी तो सरोजिनी बाल्यकाल से ही प्रकृति के सौन्दर्य को देखतीं और कल्पना-सागर में डूब जातीं। 13 वर्ष की छोटी अवस्था में 'लेडी ऑफ दि लेक' नामक एक लंबी कविता लिखी जिसे पढ़कर निजाम हैदराबाद बहुत प्रभावित हुए और सरोजिनी को उच्च शिक्षा प्राप्ति के लिए इंग्लैंड जाने का परामर्श और छात्रवृत्ति के रूप में आर्थिक सहयोग प्रदान किया। लंदन के किंग्स कॉलेज और बाद में कैम्ब्रिज के गिर्टन कालेज में अध्ययन किया। कविता रचने का संस्कार वहां भी बना रहा, फलतः पढ़ाई के साथ-साथ वह न केवल कविताएं रचती रहीं बल्कि अंग्रेजी के बड़े कवियों के संपर्क में भी बनी रहीं। इस काव्य सत्संग का प्रभाव यह पड़ा कि सरोजिनी की

कविताओं में अब भारतीय दृष्टिकोण प्रतिबिम्बित होने लगा। वर्ष 1905 में प्रकाशित आपके पहले कविता संग्रह 'गोल्डेन फ्रेशहोल्ड' ने कविता प्रेमियों का ध्यान अपनी ओर खींचा। 'बर्ड ऑफ टाइम' (1912) और 'ब्रोकन विंग' (1917) कविता संकलनों के प्रकाशन से साहित्य क्षेत्र में सरोजिनी की काव्यात्मक सौन्दर्य,बिम्ब विधान, आलंकारिक शब्द चातुर्य,प्रकृति का सूक्ष्म अवलोकन और राष्ट्रीय चेतना को पुष्टि और स्वीकृति मिली। इसी बीच 1898 में चिकित्सक डॉ. गोविंद राजुल नायडू से अन्तरजातीय विवाह किया। तत्कालीन सामाजिक संदर्भों और रूढ़ियों के बीच सरोजिनी का यह साहसिक कदम एक बड़े बदलाव के रूप में देखा गया।

देश का वह दौर स्वतंत्रता आंदोलन और अंग्रेजों के विरुद्ध सतत संघर्ष का दौर था। और शायद ही कोई युवा रहा हो जो उन परिस्थितियों में देश के लिए कुछ कर गुजरने के भाव से न भरा रहा हो। सरोजिनी का मन भी 1905 के बंग-भंग की घटना से आहत हुआ और हृदय में देश सेवा की उत्कट इच्छा जगी। संयोग से 1914 में इंग्लैंड में महात्मा गांधी जी से भेंट हुई। वह गांधी जी के जीवनादर्शों एवं विचारों से अत्यधिक प्रभावित हुईं और उनके सुझाव पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में काम करना प्रारंभ कर दिया। वह देश की आम जनता से सीधा संवाद करना चाहती थीं ताकि लोगों की कठिनाईयों,पीड़ा और इच्छाओं को समझ सकें,साथ ही स्वाधीनता आंदोलन में शामिल होने हेतु सभी को प्रेरित कर सकें। इस उद्देश्य से उन्होंने 1915 से 1918 तक संपूर्ण देश का भ्रमण किया। इस दौरान किसानों, मजदूरों,महिलाओं और विद्यार्थियों से बात की। वह अंग्रेजी, हिंदी,बांग्ला,उर्दू और तेलुगू भाषा की अच्छी जानकार थीं। देश भ्रमण की अवधि में वह लोगों से बातचीत करने में अपनी इस भाषाई सामथ्र्य का उपयोग करके सहजता से आत्मीय सम्बंध स्थापित कर लेती थीं। उनकी लोकप्रियता न केवल कांग्रेस पार्टी के अन्दर बल्कि पूरे देश में लगातार बे ती ही जा रही थी। जनता उनको सुनना-देखना चाहती थी। इसी का परिणाम था कि सरोजिनी नायडू को 1925 में कानपुर में आयोजित कांग्रेस अधिवेशन के अध्यक्ष के रूप में चुना गया। कांग्रेस के इतिहास में वह पहली महिला अध्यक्ष थीं। 1932 में वह भारत की प्रतिनिधि के रूप में अफ्रीका गईं और वहां की जनता और सरकार के साथ वार्ता की। 1930 में नमक सत्याग्रह में गांधी जी के साथ रहीं और गांधी जी की गिरफ्तारी के बाद नमक सत्याग्रह का नेतृत्व करतीं रहीं। 1931 में दूसरे गोलमेज सम्मेलन में उनको भारतीय प्रतिनिधि मंडल में शामिल गया। 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय सहभागिता की और गांधी जी के साथ 21 महीने तक कारावास भोगा। संयोग से सरोजिनी की पुत्री पद्मजा नायडू भी उसी समय जेल में बंद थीं जो आजादी के बाद पश्चिमी बंगाल की राज्यपाल बनीं। मार्च 1947 में एशियाई संबंध सम्मेलन के संचालन समिति की अध्यक्षता की। स्वतंत्रता के लिए उनके अदम्य संघर्ष और आमजन के प्रति आत्मीयता भाव से वह आमजन के हृदय में बस गई थीं। सरोजिनी नायडू की प्रशासनिक क्षमता और लोक चेतना के कारण ही आजादी मिलने के बाद उनको उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य का राज्यपाल बनाया गया। वह भारत के किसी प्रदेश की राज्यपाल बनने वाली पहली महिला हैं।

राजनीति की सक्रियता के बीच भी उनका काव्य-उर्वर मन कविताएं रचता रहा। उनके राष्ट्रीय चिंतन,भारत के प्रति अतिशय प्रेम-भाव,महिलाओं को स्वाव लम्बी और राजनीतिक रूप से सचेतन बनाने की उत्कट चाह और प्रकृति के प्रति तादात्म्य सम्बंध उनकी कविताओं में मुखर होते देखा जा सकता है। उनकी कविताओं का भारतीय भाषाओं के साथ ही फ्रेंच और जर्मन में भी अनुवाद हुआ है। उनकी महत्वपूर्ण कृतियों में 'दी मैजिक ट्री','ए ट्रेजरी आफ पोयम्स','द गिफ्ट ऑफ इंडिया' प्रमुख रूप से उल्लिखित की जा सकती हैं। उनकी मृत्यु के बाद उनकी कविताओं का एक संग्रह ''द वेदर ऑफ द डॉन'' 1961 में प्रकाशित किया गया। इंडियन वीवर्स, इंडिया लव सांग्स, इंडियन फॉरेस्ट जैसी काव्य रचनाएं कविता के नवल मानक स्थापित करती हैं। इतना ही नहीं, उनकी कविताओं में देशभक्ति, प्रकृति के विभिन्न मनोहारी रूप, महिला, प्यार और मृत्यु जैसे विषय बार-बार उभर कर आते हैं। राजनीति एवं काव्य की इस अप्रतिम प्रतिभा ने 2 मार्च, 1949 को नश्वर देह को त्याग अनन्त यात्रा पर प्रस्थान किया। भारत सरकार ने 13 फरवरी, 1964 को उनकी इस स्मृति को नमन करते हुए 15 नए पैसे का एक डाक टिकट जारी किया था। आज सरोजिनी नायडू भले ही हमारे बीच नहीं हैं पर उनके कर्म और विचार देशवासियों को कर्म पथ पर बे ने को सदा प्रेरित करते रहेंगे। एक दीप स्तम्भ की भांति अपने आलोक से राष्ट्र-साधकों का मार्गदर्शन करती रहेंगी।

किशोरों में बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य समस्या अत्यंत गंभीर

डॉ.प्रीतम भि.गेड़ाम
नई दिल्ली

आज के आधुनिक युग में मनुष्य जिस प्रकार से खुद को उन्नत महसूस कर रहा है,उससे ज्यादा खुद को समस्याओं में घिरा पा रहा है,इसमें विशेष है मानसिक स्वास्थ्य समस्या। हर उम्र के लोग कभी न कभी मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से रूबरू होते है या हुए है, सुख-शांति बस नाम की नजर आती हैं। ऐसा लगता है,जैसे हर कोई किसी प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए जी रहा हैं। आजकल किशोरवयीन बच्चों में भी मानसिक स्वास्थ्य समस्या का विषय बेहद घातक स्तर पर पहुंच गया हैं। किशोरों में लगातार बढ़ता आपराधिक ग्राफ भी गंभीर नजर आता है, इस उम्र के बच्चों में गुस्सा,चिड़चिड़ापन,तनाव,द्वेष, सहनशीलता की कमी,सोशल मीडिया की लत,नशाखोरी जैसी समस्या तेजी से बढ़ी हैं। हम अक्सर किशोरों द्वारा किये जानेवाले घटनाओं और कृत्यों को जानकर दंग रह जाते है कि, अभिभावकों ने केवल डांटा तो किशोरवयीन बच्चे आत्महत्या या खुद को हानि पहुँचाते, घर से भाग जाना या अनुचित कदम उठाने जैसे अपराध करते है,संगीन अपराधों के लिए बड़े अपराधियों जैसी गैंग बनाकर घूमते हैं। चोरी, डकैती,तस्करी,बलात्कार,खून, जानलेवा हमला करने जैसे गंभीर गुनाहों में भी किशोरवयीन बच्चे लिप्त होने की घटनाएं हैं। स्कूली बच्चों द्वारा अपने शिक्षक पर भी जानलेवा हमले करने की घटनाएं अक्सर सामने आती हैं। कम उम्र में ही गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड का चलन, सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेमिंग, नशाखोरी,झूठा दिखावा करना, बात-बात पर झूठ बोलना, संस्कारों की कमी,नैतिकताहीन,चरित्र हीनता,अश्लीलता,फूहड़ता ने समाज में जहर घोल दिया हैं। लोगों को आकर्षित करने के लिए मर्यादाओं को लांघकर बेशर्मी का चोला पहनकर अनेक युवा जिंदगी बर्बाद कर चुके हैं।

दूसरी ओर अभिभावकों का अपने बच्चों पर नियंत्रण न होना, बच्चों पर अँधा भरोसा,बच्चों को समय न देना,बच्चों को पोषक वातावरण न देना,बच्चों से बहुत ज्यादा उम्मीदें रखना,प्रतियोगिता का माहौल बनाना,बच्चों पर दबाव डालना या बच्चों की भावनाओं को अभिभावकों द्वारा न समझना, बुरी संगत, बच्चों का जीवन में बुरी बातों या घटनाओं का विरोध करने से डरना,किसी खौफ के साये में जीना भी आजकल किशोरों में मानसिक स्वास्थ्य की वजह हैं। किशोरों में बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य समस्या के प्रति जाग रूकता हेतु हर साल 2 मार्च को विश्व किशोर मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है, यह दिवस जागरूकता बढ़ाने,स्टिग्मा को कम करने, चिंता और तनाव, अवसाद जैसी किशोरवयीन स्वास्थ्य चुनौतियों के बारे में खुली बातचीत को बढ़ावा देने और साथ ही

स्वःदेखभाल नीतियों पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर देता हैं। इस साल 2026 की थीम किशोर वयीन विद्यार्थियों को उनके स्कूलों में स्वास्थ्यवर्धक कल्याणकारी उपक्रम हेतु नेतृत्व करने के लिए मजबूत बनाना यह हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन अनुसार,किशोरवयीन बच्चे शारीरिक,भावनात्मक और सामाजिक बदलावों की वजह से मानसिक स्वास्थ्य समस्या के शिकार हो जाते है,जिसमें गरीबी, गलत व्यवहार या हिंसा शामिल हैं। इन्हें ऐसी समस्याओं से बचाकर बेहतर जीवन के लिए आवश्यक पोषक वातावरण निर्माण कर देना बेहद जरुरी हैं। जिंदगी भर होने वाली सभी मानसिक बीमारियों में से आधी 14 साल की उम्र में शुरू हो जाती हैं। ऐसे मानसिक समस्या वाले बच्चे सामाजिक बहिष्कार, भेदभाव, कलंक पढ़ाई में मुश्किल, जोखिम लेने का व्यवहार,शारीरिक बीमारी और मानवाधिकारों के उल्लंघन के शिकार होते हैं। व्यवहार संबंधी मानसिक विकार बड़े किशोरों की तुलना में छोटे किशोरों में ज़्यादा आम हैं। किशोरवयीन बच्चों में बीमारी और विकलांगता के मुख्य कारण डिप्रेशन, एंग्जायटी और बिहेवियरल डिसऑर्डर हैं। 15-29 साल के बच्चों में आत्महत्या मौत का तीसरा सबसे बड़ा कारण है। बच्चों को आवश्यक स्वास्थ्य उपचार सुविधा न मिलने के कारण उनके बे होने पर उन्हें समाज,परिवार में योग्य स्थान प्राप्त नहीं मिल पाता,जिसके कारण उन्हें जीवन में आगे बे ने के लिए अनेक संघर्षो का सामना करना पे ता हैं। अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर, कंडक्ट डिसऑर्डर,बिहेवियरल डिसऑर्डर किशोरों की पढ़ाई पर असर डालकर क्रिमिनल बिहेवियर का खतरा बढ़ा सकते है, जो समस्त मानव समाज के लिए चिंता का विषय होता हैं।

आज के समय में किशोरवयीन बालकों में मानसिक स्वास्थ्य समस्या के लिए अभिभावक सबसे ज्यादा दोषी हैं। बच्चे अभिभावकों की जिम्मेदारी है और अभिभावक यही बात भूल जाते हैं। बच्चों के लाड-प्यार या जिद पूरी करने से ही जिम्मेदारी पूरी नहीं होती हैं। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक जरूरतों को समझना सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। बच्चों के लिए आवश्यक और उनकी जिद के बीच के अंतर को समझना चाहिए। अक्सर अभिभावक कहते है कि हम बच्चों के लिए पैसा कमाने में व्यस्त रहते है,लेकिन दुनिया में हर जरुरत पैसे से नहीं खरीद सकते या हर जरुरत को पैसे से पूरा नहीं किया जा सकता। बच्चों को सही समय पर उनका साथ देना जरुरी होता है, बच्चों के साथ दोस्त बनकर थोड़ा ही सही लेकिन समय बिताना भी जरुरी होता हैं। अपने बच्चे है इसलिए उनकी गलतियों पर पर्दा डालना या जिद करते है इसलिए उनकी नाजायज मांग भी पूरी करना तो सरासर गलत हैं। आज दुनिया भर में या हम जो समाज में अपराधी देखते है,शायद सही वक्त पर उन अपराधियों को उनके अभिभावकों ने अच्छी परवरिश,संस्कार और बेहतर पोषक वातावरण निर्माण कर दिया होता तो आज वे समाज के लिए नासूर न बने होते। रोजाना स्वस्थ नींद, नियमित रूप से व्यायाम, शारीरिक और मानसिक कसरत वाले खेल खेलना, समस्या का समाधान करने और पारस्परिक कौशल विकसित करना और भावनाओं को प्रबंधित करना सीखना जरुरी हैं। घर-परिवार, स्कूल और व्यापक समुदाय के भीतर एक सुरक्षात्मक और सहायक वातावरण महत्वपूर्ण हैं।

अध्ययन से पता चला है कि स्कूल जाने वाले बच्चों में मेंटल हेल्थ प्रॉब्लम 23.33 प्रतिशत है। पढ़ाई का दबाव, सोशल मिडिया का ज़्यादा इस्तेमाल और परिवार का टूटना तनाव में काफी योगदान देते हैं,जिसमें 43 प्रतिशत विद्यार्थी मूड स्विंग्स और 11 प्रतिशत चिंता की बात करते हैं। 10 प्रतिशत से भी कम युवा भारतीयों के पास औपचारिक मानसिक स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच हैं। मानसिक स्वास्थ्य विकार में अधिकतम किशोर मदद लेने से झिझकते हैं। साइबरबुलिंग,सोशल तुलना और इंटरनेट की लत बढ़ रही है,15-19 साल के बच्चों में शराब का सेवन काफी हैं। 13-17 साल के लगभग 7 प्रतिशत किशोरों को मानसिक स्वास्थ्य संबंधी विकार होते हैं, और युवाओं में मौत का सबसे बड़ा कारण आत्महत्या हैं। बच्चों को भावनात्मक रूप से मजबूत करने के लिए और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता हेतु अभिभावकों ने बच्चों के साथ समय बिताना बहुत जरुरी हैं। शारीरिक गतिविधियां और मानसिक स्वास्थ्य के बीच एक पॉजिटिव रिश्ता होता है, खेलकूद करने पर तनाव कम होने लगता है,इसलिए अभिभावकों ने अपने बच्चों को साथ लेकर बाहर साइकिलिंग,स्केटिंग,स्विमिंग, हाइकिंग, या कोई भी मैदानी खेल खेलने ले जाना चाहिए। बच्चों के साथ हंसी मजाक करना, उन्हें सामाजिक कार्यों में भाग लेने के लिए स्वयंसेवक के रूप में प्रोत्साहित करना,साथ में खाना, नाश्ता करना,दिनभर के गतिविधियों पर चर्चा करना, हेल्दी हॉबी विकसित करना सिखाए, व्यायाम योगा का महत्व समझना, अच्छे संस्कार,भेदभाव को भूलकर मानवता का सन्देश देना, प्रकृति और देशसेवा को प्रथम स्थान देना जैसी बातें बच्चों को समझाना अभिभावकों,शिक्षकों का परम कर्तव्य हैं। बच्चों की खूबियों या फिर गलतियों को कभी नजरअंदाज न करें,उन्हें सही समय पर सही दिशा देना जरुरी होता हैं। इस प्रकार बच्चे शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होंगे और बुरी आदतों से दूर रहेंगे।

जीवन का निरन्तर अविरल चक्र,भौतिक लालसा क्षणिक है...

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह

जीवन को एक विशाल वृक्ष के रूप में देखिए,जिसकी जड़ें शैशवावस्था में धंसी हैं और शीर्ष पर मृत्यु की अनिवार्यता विराज मान है। बचपन में रेंगना घुटनों के बल चलना, प्राथमिक,माध्यमिक,हाई स्कूल, कॉलेज होते हुए युवा शादी, करियर,धन-धान्य,समाज सेवा की चढ़ाई चढ़ता है,मगर जीवन,बीमारी, बुढ़ापा आते ही व्हीलचेयर पर असहाय सा नजर आता है। ये ही प्रकृति का नियम ओर मृत्यु नियति है, निश्चित है।

बाल्यकाल शिक्षा ग्रहण कर परिवार का सहारा बनता है, युवावस्था में नौकरी-शादी बंधन जोड़ती है,मध्य में पैसों की दौड़ समाज को जोड़ती है,किंतु वृद्धावस्था अकेलापन लाती है जहाँ शारीरिक कमजोरी सहारा मांगती है। अंतिम शिखर पर मृत्यु का स्मरण सताता है,कि भौतिक लालसा क्षणिक है,आध्यात्मिक संतुलन शाश्वत। योग-ध्यान जैसे भारतीय दर्शन इसी संतुलन की कुंजी सौंपते हैं। आज के भागमभाग में जीवन का अनुभव संदेश देता है,जड़ें मजबूत रखें (परिवार-शिक्षा), सफलता के शिखर पर संयम अपनाएँ (करियर-समाज), शिखर पर नम्रता को स्वीकारें (बुढ़ापा-मृत्यु)। युवा शिक्षा ग्रहण करें, मध्यम आयु वाले पारिवारिक मूल्य निभाएँ,वृद्ध शांति अर्जित करें,यह चक्र जीवन को सार्थक बनाता है। मृत्यु अंत नहीं जीवन है।

सूचना
समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

महादेवपुर में पण्डो विशेष पिछड़ी जनजाति सम्मेलन आयोजित...मंत्री रामविचार नेताम ने विकास कार्यों की दी सौगात

विशेष पिछड़ी जनजातियों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है हमारी सरकार : मंत्री नेताम

-संवाददाता-
बलरामपुर,01 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

जिले के विकासखंड रामचंद्रपुर के ग्राम पंचायत महादेवपुर में विशेष पिछड़ी जनजाति सम्मेलन का आयोजन किया गया। जहां प्रदेश के आदिम जाति विभाग,कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी,मछली पालन,पशु पालन मंत्री श्री रामविचार नेताम पण्डो विशेष पिछड़ी जनजाति सम्मेलन में शामिल हुए। इस दौरान पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा नेताम, अन्य जनप्रतिनिधिगण सम्मिलित हुए। सम्मेलन में लगभग 03 हजार की संख्या में पण्डो समाज के जन शामिल हुए जिसमें जिले के साथ आसपास के विभिन्न जिलों से भी पण्डो समाज के पदाधिकारीगण, आम नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। मंत्री श्री नेताम के आगमन पर पण्डो समाज के पदाधिकारियों एवं ग्रामीणों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ भव्य स्वागत किया। इस दौरान मंत्री श्री नेताम विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न हितग्राहीमूलक योजना के तहत सामग्रियों का वितरण भी किया।

50 लाख के विकास कार्यों का शिलान्यास, समतलीकरण के लिए 5 लाख की घोषणा

कृषि मंत्री नेताम ने ग्राम पंचायत महादेवपुर में कुल 50 लाख रुपये की लागत से बनने वाले दो प्रमुख कार्यों का शिलान्यास किया। इनमें 25 लाख रुपये की लागत से पुलिया निर्माण तथा 25 लाख रुपये की लागत से पण्डो समाज के लिए सामुदायिक भवन का निर्माण शामिल है। पुलिया निर्माण से क्षेत्र के ग्रामीणों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी। साथ ही स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। इसी प्रकार 25 लाख रुपये की लागत से बनने वाला पण्डो समाज का सामुदायिक भवन सामाजिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र बनेगा। जहां समाज की बैठकें, सामाजिक आयोजन और अन्य कार्यक्रम संपन्न हो सकेंगे। इस दौरान उन्होंने सामुदायिक भवन में समतलीकरण के लिए 5 लाख की घोषणा भी की।

बजट 2026-27 में हुए प्रावधानों की दी जानकारी

कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने अपने उद्बोधन में कहा कि विशेष पिछड़ी जनजातियों के समग्र विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पण्डो समाज जैसी विशेष पिछड़ी जनजातियों के उत्थान के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही हमारा प्राथमिक लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि समाज के युवाओं को कौशल विकास, स्वरोजगार और कृषि आधारित गतिविधियों से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने पण्डो समाज के युवाओं से आह्वान किया कि वे शासकीय योजनाओं का लाभ लेकर आत्मनिर्भर बनें और समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं। इस दौरान कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने वर्ष 2026-27 के बजट में क्षेत्र के लिए किए गए प्रावधानों की जानकारी भी साझा की। उन्होंने बताया कि विशुनपुरा से बैकुंठपुर तक सड़क निर्माण का प्रस्ताव बजट में शामिल किया गया है, जिससे क्षेत्र की कनेक्टिविटी में व्यापक सुधार होगा। ग्रामीणों की आवाजाही आसान होगी साथ ही व्यापार और रोजगार के नए अवसर भी बढ़ेंगे। उन्होंने बताया कि डिंडो, रामचंद्रपुर और रामानुजगंज में पण्डो छात्रावास भी बजट में शामिल है। छात्रावास बनने से दूरस्थ गांवों के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा और वे अपनी पढ़ाई निर्बाध रूप से जारी रख सकेंगे। उन्होंने जानकारी दी है कि रामचंद्रपुर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भी बजट में शामिल है। मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता ग्रामीण अंचलों में प्राथमिक आवश्यकता है सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनने से आसपास के कई गांवों को लाभ मिलेगा और आपातकालीन परिस्थितियों में समय पर इलाज सुनिश्चित हो सकेगा। मंत्री ने सभी उपस्थित जनों को आश्वस्त किया कि क्षेत्र के विकास कार्य के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि स्वीकृत कार्यों को समयसीमा में पूर्ण करें ताकि आम जनता को शीघ्र लाभ मिल सके। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजनों ने भी अपने अपने विचार रखे।

विभागीय स्टॉलों से आमजन को मिला लाभ

सम्मेलन स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल भी लगाए गए थे। जहां आधार पंजीयन, आयुष्मान कार्ड,स्वास्थ्य परीक्षण शिविर,पशु चिकित्सा सेवा,कृषि परामर्श, सामाजिक कल्याण योजनाएं तथा अन्य विभागों के स्टॉलों के माध्यम से ग्रामीणों को सीधे लाभ पहुंचाया गया।स्वास्थ्य शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया। इस दौरान विभागीय योजनाओं की जानकारी भी दी गई ।

अपने जन्मदिवस पर पण्डो समाज के साथ की खुशियां साझा

मंत्री रामविचार नेताम ने अपने जन्मदिवस के अवसर पर पण्डो समाज के लोगों के साथ केक काटकर खुशियां साझा की। समाज के सभी वर्ग बच्चों,युवाओं, बुजुर्गों और महिलाओं ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। मंत्री श्री नेताम ने कहा कि अपने जन्मदिवस को समाज के बीच मनाना उनके लिए सौभाग्य की बात है। और जनता का स्नेह और आशीर्वाद ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि वे सदैव क्षेत्र के विकास और समाज की सेवा के लिए समर्पित रहेंगे।

बहन को ससुराल छोडने जा रहे बाइक सवार युवक की हादसे में मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

भटगांव थाना क्षेत्र के सोनगरा पेट्रोल पंप के पास अज्ञात ट्रैक्टर ने बाइक सवार भाई-बहन को टक्कर मार दी। दुर्घटना में युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम सुखरी निवासी लालजीत यादव पिता राजनारायण यादव 30 वर्ष शनिवार को बाइक से बहन सरिता को उसके ससुराल छोडने जरही करौंधा जा रहा था। रास्ते में करीब 4.30 बजे सोनगरा पेट्रोल पम्प के पास अज्ञात ट्रैक्टर ने बाइक को टक्कर मार दी। जिसमें दोनों भाई-बहन को चोटें आई थी। लालजीत यादव के ऊपर से ट्रेक्टर का चक्का पार होने के कारण उसे काफी चोटें आई थी। घायलों को मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लाया गया,यहां जांच के दौरान डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल बहन उपचार चल रहा है। पुलिस ने मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

पीएम श्री स्वामी आत्मानंद विद्यालय लखनपुर में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

पीएम श्री स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय लखनपुर में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्या की देवी मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष धुप दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के पूर्व छात्र क्रान्ती कुमार रावत विशेष रूप से उपस्थित रहे। इनके द्वारा विद्यालय की उपलब्धियों को बताया गया साथ ही विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके प्रयासों की सराहना की गई। विद्यालय परिसर में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में छात्र-छात्राओं ने विज्ञान के विभिन्न सिद्धांतों और आधुनिक तकनीकों पर आधारित आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक मॉडल प्रस्तुत किए। जल संरक्षण,पर्यावरण संरक्षण,प्रदूषण नियंत्रण, प्रदर्शनी में सौर ऊर्जा,विज्ञान के उपयोग तथा वर्तमान में इनके उपयोग से देश दुनिया कैसे आगे बढ़ रही है इसके कई उदाहरण है लोग चांद से आगे निकल चुके। पुलिस के द्वारा बड़े से बड़े अपराधियों को वैज्ञानिक तकनीक के माध्यम से पकड़ा जा रहा है। इसके दुष्परिणाम भी सामने आते है जो जैसा उपयोग करना चाहता है विज्ञान उसे वैसे परिणाम प्रदान करता है। विद्यार्थियों ने पूर्ण जोश एवं उत्साह के साथ इस आयोजन में भाग लिया। विशेष रूप से कक्षा छठवीं सातवीं एवं आठवीं के विद्यार्थियों ने विज्ञान से जुड़े मॉडल प्रस्तुत किए। उन्होंने इनके उपयोग एवं प्रभाव के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दिया। मुख्य अतिथियों ने विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, आत्मविश्वास और रचनात्मकता का विकास करते हैं।

उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर प्रयोग और नवाचार की दिशा में आगे बढने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य ऋषि पाण्डेय ने अपने संबोधन में विज्ञान के महत्व और उससे जुड़े वैज्ञानिक तथ्यों को बताया कार्यक्रम का संचालन भगवती सिंह ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं राज सिंह यादव, बलविंदर कौर,फरहीन परवीन एवं लाईब्रेरियन अनामिका तिग्गा का विशेष योगदान रहा। पूरे आयोजन के दौरान विद्यालय परिसर में उत्साह, जिज्ञासा और सकारात्मक ऊर्जा का वातावरण बना रहा।

मंगेतर के किराए के मकान में जाकर युवती ने की आत्महत्या

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

कोतवाली क्षेत्र के बौरीपारा में शनिवार की शाम को एक युवती ने मंगेतर के किराए के मकान में जाकर आत्महत्या कर ली। घटना के दौरान मंगेतर घर में नहीं था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार उर्मिला दास पिता स्व. गोकुल दास 23 वर्ष, दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम अड़ची की रहने वाली थी, जो लटोरी में अपने चाचा के यहां रहकर किसी दुकान में काम करती थी। करीब 5 माह पूर्व उसका रिश्ता ग्राम रजपुरी निवासी मुकेश दास से तय हुआ था, जो वर्तमान में बौरीपारा अंबिकापुर में किराए के मकान में रहता था, दोनों का आपस में मिलना-जुलना था। लगभग एक माह से उर्मिला दास से बात करना यह कहते हुए बंद कर दिया था कि उसे पढ़ाई करना है। एक माह बाद शादी हो जाएगा, अभी उसे मानसिक रूप से फ्री रहने दो। बाचतीत नहीं होने पर 28 फरवरी को उर्मिला अपनी चचेरी बहन के साथ मुकेश के बौरीपारा में स्थित किराए के मकान में पहुंची, यहां मुकेश नहीं था, उसका भाई था। इसके बाद उर्मिला वहां रूक गई और उसकी चचेरी बहन वापस आ गई। कुछ देर बाद मुकेश का भाई भी किसी काम से चला गया। कुछ देर बाद चचेरी बहन बौरीपारा स्थित किराए के रूम में गई तो दरवाजा अंदर से बंद था। अंदर झांककर देखे तो युवती, किचन के रोशनदान में दुपट्टा के सहारे फांसी पर लटकी थी। घटना की सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और मृतिका के शव का मौका पंचनामा, परिवार के लोगों की उपस्थिति में बनाया। बताया जा रहा है कि मंगेतर घटना के समय बिलासपुर में था।

युवती ने फंसी लगाकर दी जान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

जशपुर जिला के बगीचा थाना अंतर्गत ग्राम कामारीमा निवासी आकांक्षा टोप्पो पिता स्व. मघनु राम 23 वर्ष,गांधीनगर थाना क्षेत्र के मुक्तिपारा में सुनील विश्वकर्मा के यहां किराए के मकान में रहकर मजदूरी करती थी। शनिवार की शाम को पड़ोस में रहने वाले किराएदार काम करके अपने कमरे में पहुंचे तो आकांक्षा का कमरा अंदर से बंद था। अंदर से काफी देर तक किसी प्रकार का आवाज नहीं आने पर वे युवती को आवाज लगाए, लेकिन किसी प्रकार की प्रतिक्रिया सामने नहीं आई। इसकी जानकारी मकान मालिक को देने के बाद खिडक़ी में छेद करके देखे तो फांसी के फंदे पर युवती लटक रही थी। इसकी जानकारी गांधीनगर थाने में दी गई, जिस पर पुलिस मौके पर पहुंचे और शव को फांसी से उतारकर मौका पंचनामा बनाया। रविवार को खबर मिलने पर मृतिका के स्वजन पहुंचे। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम करके मृतिका के शव का पोस्टमार्टम कराया है।

जिला स्तरीय हृदय जांच शिविर में 172 बच्चों की स्क्रीनिंग 30 में हृदय रोग के लक्षण चिन्हित-निःशुल्क सर्जरी होगी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

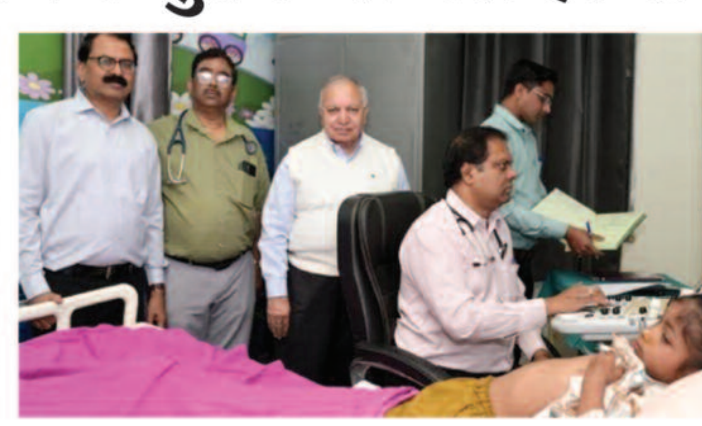

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु) अंतर्गत प्रातः 10.00 बजे से 100 बिस्तरीय मातृ एवं शिशु अस्पताल, जिला चिकित्सालय अम्बिकापुर में जिला स्तरीय विशेष हृदय रोग जांच (कार्डियक स्क्रीनिंग) शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में MMI Narayana Hospital रायपुर के कॉर्डियोलॉजिस्ट विशेषज्ञों एवं चिकित्सकीय दल द्वारा बच्चों की विस्तृत जांच की गई। हृदय रोग से ग्रसित बच्चों के लिए आयोजित इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में जिले के समस्त विकासखण्डों के चिरायु दल द्वारा चिन्हांकित बच्चों को जांच एवं उपचार हेतु मातृत्व शिशु अस्पताल लाया गया। शिविर में एम.एम.आई. नारायणा रायपुर के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रशांत महरिया, प्रबंधक श्री उपेन्द्र शुक्ला, श्री खामेश्वर लहरे, ईको टेक्नीशियन श्री वेदप्रकाश साहू तथा मेडिकल कॉलेज संबद्ध चिकित्सालय अम्बिकापुर से शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. जे.के. रेलवानी, डॉ. के.आर. टेकाम, एचओडी डॉ. अविनाशी कुजूर, नोडल आरबीएसके डॉ. के.पी. विश्वकर्मा एवं डीईआईसी के चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनुराग गुप्ता उपस्थित रहे। शिविर में 01 वर्ष से 14 वर्ष तक के कुल 172 बच्चों का पंजीयन किया गया। इनमें से 57 बच्चों की सफलतापूर्वक हृदय ईको जांच की गई, जिसमें 30 बच्चों में हृदय रोग के लक्षण पाए गए। चिन्हांकित बच्चों का निःशुल्क सर्जरी हेतु उपचार MMI Narayana Hospital रायपुर में किया जाएगा। शिविर के दौरान जिले के समस्त विकासखण्डों के चिरायु दल हितग्राहियों के साथ उपस्थित रहे। शिविर स्थल पर डॉ. सुमन, अस्पताल सलाहकार श्रीमती स्वास्ति शुक्ला तथा डीईआईसी प्रबंधक श्री कमल नारायण सिंह की उपस्थिति में समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा ऐसे विशेष स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से बच्चों में गंभीर बीमारियों की समय पर पहचान एवं निःशुल्क उपचार सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे बच्चों को स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य प्रदान किया जा सके।

दो नग चोरी की बाइक के साथ आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

कोतवाली पुलिस ने बाइक चोरी के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी क दो बाइक बरामद की है। जानकारी के अनुसार अंबिकापुर निवासी दिलिप साव की बाइक 15 फरवरी की रात को अज्ञात चोर ने पुलिस लाइन पेट्रोल पंप के पास से चोरी कर ली थी। उसने कोतवाली में मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना कर रही थी। विवेचना के दौरान मुखबिर से पुलिस को जानकारी मिली की मिशन चौक रैदास वार्ड अम्बिकापुर निवासी सुजीत सारथी उक्त चोरी की बाइक से मोहल्ले में घूम रहा है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की तो वह पुलिस लाइन पेट्रोल पंप से बाइक चोरी करने की बात स्वीकार की। इसके अलावा उसने एक बाइक कलेक्टोरेट परिसर से बाइक चोरी कर घर में छुपाकर रखना बताया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से दो नग बाइक बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

सड़क हादसे में घायल युवक की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

बैकुंठपुर में शनिवार को अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल युवक की मौत मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हो गई। जानकारी के मुताबिक सूरजपुर जिला के रामानुजनगर थाना अंतर्गत ग्राम परमेश्वरपुर निवासी छोटू बेक पिता जयराम बेक 20 वर्ष, 28 फरवरी को काम करने के लिए बैकुंठपुर आया था।

अपरान्ह करीब 3.30 बजे उसके भाई अमरजीत को मोबाइल फोन में सूचना मिली कि छोटू बेक का ग्राम सोनबोथा, बैकुंठपुर में अज्ञात वाहन से एक्सीडेंट हो गया है। सूचना मिलने पर स्वजन मौके पर पहुंचे और घायल अवस्था में उसको बैकुंठपुर जिला अस्पताल ले गए। यहां से इलाज के बाद चिकित्सक ने गंभीर चोटों को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए रेफर कर दिया था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

450 परिवारों को पांच माह से नहीं मिला राशन,ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,01 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

जिले के लखनपुर क्षेत्र की लटोरी पंचायत में राशन वितरण में भारी अनियमितता सामने आई है। ग्रामीणों का आरोप है कि करीब 450 परिवारों को पिछले पांच माह से सरकारी राशन नहीं मिला है। हितग्राहियों का कहना है कि उनसे ऑनलाइन बायोमैट्रिक प्रणाली में अंगूठा लगवाया गया, लेकिन राशन नहीं दिया गया। ग्रामीणों ने बताया कि एक वर्ष से चना और शक्कर का वितरण भी नहीं हुआ है। आक्रोशित ग्रामीणों ने राशन दुकान के बाहर प्रदर्शन कर कार्रवाई की मांग की। उनका आरोप है कि फूड इंस्पेक्टर सतपाल सिंह की लापरवाही के कारण लखनपुर के कई गांवों में राशन वितरण प्रभावित हुआ है। ग्रामीणों ने जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

होली से पहले किसानों को सम्मान की सौगात.....

एमसीबी जिले के 15,852 कृषकों के खातों में 64.31 करोड़ रुपये की आदान सहायता

अकेले खड़गवां विकासखंड को 18.50 करोड़ से अधिक की राशि अंतरित

-राजेन्द्र शर्मा-

खड़गवां,01 मार्च 2026 (घटती-घटना)। होली पर्व से पहले प्रदेश सरकार ने किसानों को बड़ी सौगात देते हुए आदान सहायता राशि सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की, खड़गवां विकासखंड में आयोजित कृषक उन्नति योजना अंतर्गत आदान सहायता राशि वितरण समारोह सह किसान सम्मेलन में प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जयसवाल ने कहा कि 'छत्तीसगढ़ की पहचान उसके अन्नदाता किसान हैं, उनकी समृद्धि और सम्मान हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है, यह राशि केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि किसानों के विश्वास का सम्मान है।' कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य प्रिया मसराम, जनपद सदस्य श्याम बाई मरकाम, वीरेन्द्र करियाम, धर्मपाल, रामप्रसाद गुप्ता,धनंजय पाण्डेय सहित कई जनप्रतिनिधि,सरपंच और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। समारोह स्थल पर उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला।

राज्य स्तर से 10,324 करोड़ रुपये का अंतरण

प्रदेश सरकार ने होली से पूर्व राज्यभर के 25 लाख 28 हजार किसानों को कुल 10,324 करोड़ रुपये की आदान सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से उनके बैंक खातों में अंतरित की, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बिलासपुर जिले के बिल्हा विकासखंड स्थित रहंगी खेल मैदान से आयोजित राज्यस्तरीय किसान सम्मेलन के माध्यम से यह राशि जारी की, इसी क्रम में एमसीबी जिले के मनेन्द्रगढ़, भरतपुर और खड़गवां विकासखंडों में भी समानांतर कार्यक्रम आयोजित कर किसानों को लाभान्वित किया गया।

एमसीबी जिले के किसानों को 64.31 करोड़ रुपये

एमसीबी जिले के कुल 15,852 किसानों को 64 करोड़ 31 लाख 69 हजार 326 रुपये 60 पैसे की राशि अंतरित की गई। जिले में लगभग 49 हजार किसान करीब 46 हजार हेक्टेयर भूमि पर खेती करते हैं, जिनमें से लगभग 33,840 हेक्टेयर में धान की खेती होती है, खरीफ विपणन वर्ष में समर्थन मूल्य पर धान विक्रय करने वाले पंजीकृत किसानों को 731 रुपये प्रति क्विंटल की अंतर राशि आदान सहायता के रूप में प्रदान की जा रही है।

खड़गवां विकासखंड को 18.50 करोड़ से अधिक-

अकेले खड़गवां विकासखंड के किसानों को 18 करोड़ 50 लाख 88 हजार 907 रुपये 60 पैसे की राशि अंतरित की गई, खड़गवां क्षेत्र के 2,987 किसानों को 1,62,013.60 क्विंटल धान खरीदी के आधार पर 11 करोड़ 84 लाख 31 हजार 941 रुपये 60 पैसे दिए गए, कोड़ा क्षेत्र के 1,862 किसानों को 91,186 क्विंटल खरीदी के आधार पर 6 करोड़ 66 लाख 56 हजार 966 रुपये प्रदान किए गए, यह राशि आगामी खेती सीजन में बीज, खाद और अन्य कृषि आदानों की व्यवस्था में सहायक सिद्ध होगी।

3,100 रुपये प्रति क्विंटल का लाभ- स्वास्थ्य मंत्री ने जानकारी दी कि सरकार ने प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी 3,100 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य पर की है, पहले चरण में 2,369 रुपये प्रति क्विंटल का भुगतान किया गया था, जबकि शेष 731 रुपये की अंतर राशि अब डीबीटी के माध्यम से सीधे खातों में जमा की गई है, उन्होंने कहा कि पारदर्शी डीबीटी प्रणाली से बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई है और किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है।

सरकार की अन्य प्रमुख योजनाएं- मंत्री ने बताया कि वर्ष 2000 में प्रदेश का बजट लगभग 5 हजार करोड़ रुपये था, जो वर्ष 2026 में बढ़कर 1 लाख 72 हजार करोड़ रुपये हो गया है, उन्होंने यह भी बताया कि–18 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए गए हैं, वनाधिकार पट्टा वितरण को गति दी गई है, महतारी वंदन योजना के तहत लगभग 70 लाख महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपये की सहायता प्रदान की जा रही है।

खड़गवां क्षेत्र में विकास की रफ्तार स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि खड़गवां में कृषि महाविद्यालय का निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है, बरदर से गिद्धमुड़ी मार्ग निर्माण, उधनापुर नहर संचालन, रतनपुर, करवा अंजलि जलाशय एवं चोपन सहित कई गांवों तक जल पहुंचाने की योजनाएं प्रगति पर हैं, उन्होंने यह भी घोषणा की कि अब रजिस्ट्री के लिए मनेन्द्रगढ़ जाने की आवश्यकता नहीं होगी, खड़गवां में ही पंजीयन सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

किसानों को प्रमाणपत्र वितरण- कार्यक्रम के दौरान 'धान बोनस तिहार' के अंतर्गत अनेक किसानों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए, किसानों ने सरकार की पहल का स्वागत करते हुए कहा कि होली से पहले राशि मिलने से खेती की तैयारी में बड़ी सहायता मिलेगी, कुल मिलाकर, यह आर्थिक सहायता न केवल किसानों की आय में वृद्धि का माध्यम बनेगी, बल्कि प्रदेश की कृषि अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करेगी।

जैव उर्वरक मृदा स्वास्थ्य सुधार,फसल उत्पादकता वृद्धि तथा जलवायु-संवेदनशील कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देगा : राजकुमारी

-संवाददाता-

कोरिया,01 मार्च 2026 (घटती-घटना)। एचडीएफसी बैंक परिवर्तन एवं वाटरशेड आर्गेनाइजेशन ट्रस्ट द्वारा संचालित फोक्सड डेवलपमेंट परियोजना अंतर्गत ग्राम केशगवा में राष्टीय ग्रामीण आजीविका मिशन एवं वाटर संस्था के सयुंक्त अभिसरण अंतर्गत जैव उत्पादकता केंद्र की स्थापना की गई है,सरस्वती समुह द्वारा संचालित यह बीआरसी अंचल में किसानो को कम दाम पर,सही समय पर जैव उत्पादों जिसमे वेस्ट डीकंपोजर, दश्परनी,डीएफ 1,इएम 2, निमास्त्र,अमृत पानी,फुल्विक एसिड,ह्युमिक एसिड किसानो को किफायती दामो पर उपलब्ध होगा,इसी क्रम में आज बीआरसी समूह (बायो-इनपुट्स/बायो-फर्टिलाइजर्स) ने सोनहत किसान मेला में सक्रिय सहभागिता करते हुए अपनी नवीन एवं सतत कृषि पहलों का प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) तथा कृषि विभाग के सहयोग से बीआरसी ने पर्यावरण अनुकूल जैव-इनपुट्स एवं जैव-उर्वरक समाधानों को प्रदर्शित किया, जो मृदा स्वास्थ्य सुधार, फसल उत्पादकता वृद्धि तथा जलवायु-संवेदनशील कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने में सहायक हैं,यह मंच किसानों के साथ प्रत्यक्ष संवाद स्थापित करने, तकनीकी जानकारी साझा करने,व्यावहारिक प्रदर्शन प्रस्तुत करने तथा दीर्घकालिक ग्रामीण विकास हेतु सतत एवं किफायती कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित करने का महत्वपूर्ण अवसर रहा, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमति वंदना राजवाड़े , सीईओ जनपद श्री जगत सर,वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री मराबी जी,ग्रामीण कृषि विकास अधिकारी,जनपद अध्यक्ष आशा देवी, जनप्रतिनिधि,बड़ी संख्या में कृषक,सरस्वती समुह से अध्यक्ष राजकुमारी यादव,सचिव मानमती , अंजना सोनपाकर,कदम कुंवर,वाटर संस्था से सुधान,राम सिंह, मनोज,सुरेश उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री खाद्य उद्यम उन्नयन योजना अंतर्गत 15 मार्च तक आवेदन आमंत्रित

योजनान्तर्गत अधिकतम 10 लाख रुपए तक दिया जाएगा अनुदान

-संवाददाता-

जशपुरनगर,01 मार्च 2026 (घटती-घटना)। जिले में सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को बढ़ावा देने एवं स्थानीय उद्यमियों को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से वाणिज्य एवं उद्योग विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री खाद्य उद्यम उन्नयन योजना अंतर्गत आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक आवेदक दिनांक 15 मार्च तक आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र जशपुर के महाप्रबंधक ने जानकारी देते हुए बताया कि योजना के अंतर्गत जिले में चावल आधारित उद्योग, मिनी राइस मिल, आटा

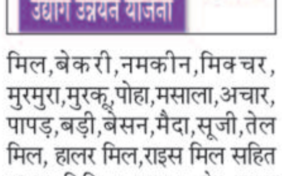

मिल,बेकरी,नमकीन,मिक्चर, मुरमुरा,मुरकू,पोहा,मसाला,अचार, पापड़,बड़ी,बेसन,मैदा,सूजी,तेल मिल, हालर मिल,राइस मिल सहित अन्य विभिन्न प्रकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग स्थापित किए जा सकते हैं। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा। योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को स्वीकृत स्थायी परियोजना लागत का 35 प्रतिशत अधिकतम 10 लाख रुपए तक का अनुदान प्रदान किया जाएगा, जिससे इच्छुक उद्यमियों को अपना उद्योग स्थापित करने में आर्थिक सहायता मिल सकेगी। इच्छुक आवेदक आवश्यक दस्तावेज जैसे आधार कार्ड,पासपोर्ट साइज फोटो,पैन कार्ड,बैंक पासबुक,राशन कार्ड एवं मशीनरी कोटेशन के साथ जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, जशपुर में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं अथवा योजना की आधिकारिक वेबसाइट www.pmfme. mofpi. gov.in/ pmfme पर लॉगिन कर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

फाल्गुन पूर्णिमा पर खगोलीय महासंयोग...

ग्रहण के बीच कैसे मनाएं आस्था का पर्व होली?

अनोखा संयोग,होलिका दहन और चंद्र ग्रहण एक ही दिन

सूतक का साया,सुबह 6:20 से ही बंद हो जाएंगे मंदिरों के कपाट

शुभ सलाह: 3 मार्च को जप-तप और 4 मार्च को सुबह 8 बजे से मनाएं रंगों व खुशियों का उत्सव

-संवाददाता-

कोरिया,01 मार्च 2026 (घटती-घटना)। ज्योतिष दृष्टिकोण से मार्च 2026 का पहला सप्ताह खगोलीय और धार्मिक घटनाओं के कारण अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है,एक ओर पूरे देश में होली की तैयारियां और उत्साह चरम पर रहेगा,तो दूसरी ओर इसी दौरान वर्ष 2026 का पहला चंद्र ग्रहण भी पड़ रहा है,विशेष बात यह है कि 3 मार्च 2026 को लगने वाला यह चंद्र ग्रहण फाल्गुन पूर्णिमा यानी होलिका दहन की तिथि पर ही पड़ रहा है,ऐसे में स्वाभाविक है कि लोगों के मन में यह प्रश्न उठे कि क्या इस बार होली पर ग्रहण का साया रहेगा और धार्मिक परंपराओं पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा।

कब मनाई जाएगी होली?

क्षेत्र के ब्राम्हणों से बात करने पर पंचांग अनुसार उन्होंने बताया कि इस वर्ष रंगों की होली 4 मार्च 2026 को मनाना अधिक शुभ और लाभकारी रहेगा, 3 मार्च को चंद्र ग्रहण लग रहा है और यह भारत में दृश्यमान होगा,चूंकि ग्रहण काल को शास्त्रों में अशुभ समय माना गया है,इसलिए इस दिन रंग खेलना उचित नहीं समझा जा रहा, हिंदू पंचांग के अनुसार फाल्गुन पूर्णिमा को होलिका दहन और अगले दिन धुलेंडी यानी रंगों की होली मनाई जाती है,लेकिन इस वर्ष ग्रहण के कारण तिथियों और शुभ मुहूर्त में विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

चंद्र ग्रहण का समय

पंचांग के अनुसार 3 मार्च 2026 को चंद्र ग्रहण भारतीय समयानुसार दोपहर 3 बजकर 20 मिनट से प्रारंभ होगा और शाम 6 बजकर 47 मिनट तक रहेगा,इस प्रकार ग्रहण की कुल अवधि लगभग 3 घंटे 27 मिनट की होगी,यह ग्रहण भारत में दिखाई देगा,इसलिए पूरे देश में इसका सूतक काल मान्य रहेगा . ग्रहण के दौरान मंदिरों के कपाट बंद रखे जाते हैं और देव प्रतिमाओं को स्पर्श नहीं किया जाता।

चंद्रग्रहण का सूतक काल

शास्त्रों में उल्लेख है कि चंद्र ग्रहण का सूतक काल ग्रहण प्रारंभ होने से 9 घंटे पहले लग जाता है, इस आधार पर 3 मार्च की सुबह लगभग 6 बजकर 20 मिनट से सूतक काल मान्य होगासूतक के दौरान पूजा–पाठ,हवन,विवाह,नामकरण,गृह प्रवेश जैसे शुभ कार्य वर्जित माने जाते हैं, मंदिरों में नियमित आरती और पूजा भी स्थगित कर दी जाती है। हालांकि गर्भवती महिलाओं,बच्चों और बुजुर्गों के लिए विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है,यह नियम उन क्षेत्रों में विशेष रूप से लागू होते हैं जहां ग्रहण दृश्य होता है, चूंकि यह ग्रहण भारत में दिखाई देगा, इसलिए इसका प्रभाव देशभर में मान्य होगा।

ग्रहण और रंगोत्सव का टकराव-

इस वर्ष खगोलीय घटना और सांस्कृतिक पर्व का अद्भुत संयोग देखने को मिल रहा है, होली,जो आनंद,उल्लास और सामाजिक मेलजोल का पर्व है, वहीं चंद्र ग्रहण को शास्त्रों में संयम और साधना का समय माना गया है,एक ओर रंग, अबीर–गुलाल और उत्सव की परंपरा है, तो दूसरी ओर ग्रहण के दौरान शांति, जप–तप और आत्मचिंतन का महत्व बताया गया है, इसी कारण 3 मार्च को रंगोत्सव मनाना परंपरागत दृष्टि से उचित नहीं माना जा रहा।

4 मार्च को रंग खेलने का सही समय

4 मार्च को किसी प्रकार का ग्रहण या सूतक प्रभाव नहीं रहेगा, इसलिए इस दिन रंगों की होली मनाना पूर्णत: शुभ माना जाएगा, परंपरा के अनुसार होली का रंग खेलने का सर्वोत्तम समय सुबह से दोपहर तक का होता है, सुबह 8 बजे से लेकर दोपहर 12 या 1 बजे तक का समय अत्यंत शुभ और सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर माना जाता है . दोपहर के बाद अत्यधिक उधम या देर शाम तक रंग खेलना शास्त्र सम्मत नहीं माना जाता, अत: 4 मार्च को सुबह के समय ही होली का आनंद लेना श्रेष्ठ रहेगा।

सूतक और रंग खेलने का नियम

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सूतक काल में भोजन पकाना, नया कार्य आरंभ करना और उत्सव मनाना वर्जित है . रंग खेलना एक उत्सवात्मक क्रिया है, जिसमें हंसी–ठिठोली, संगीत और आनंद शामिल होता है, चूंकि सूतक काल 3 मार्च की सुबह से ही लागू हो जाएगा, इसलिए उस दिन रंग खेलना शास्त्र सम्मत नहीं होगा . ग्रहण समाप्ति के बाद स्नान और दान करने की परंपरा है, उसके पश्चात ही सामान्य कार्य प्रारंभ किए जाते हैं।

ज्योतिष के जानकारों की राय

ज्योतिषाचार्यों का मानना है कि ग्रहण काल को आध्यात्मिक साधना, मंत्र जाप और ध्यान के लिए श्रेष्ठ माना जाता है, इस समय सकारात्मक ऊर्जा को आत्मसात करने और नकारात्मकता से बचने का प्रयास करना चाहिए क्षेत्र में ज्योतिष के जानकारों ने बताया की 4 मार्च को होली मनाना अधिक शुभ रहेगा, ग्रहण के प्रभाव से बचने और धार्मिक परंपराओं का पालन करने के लिए तिथि और मुहूर्त का ध्यान रखना आवश्यक है, इस प्रकार मार्च 2026 की होली खगोलीय घटनाओं के कारण विशेष बन गई है, यदि परंपराओं और ज्योतिषीय निर्देशों का पालन किया जाए, तो यह पर्व न केवल उल्लास बल्कि आध्यात्मिक संतुलन का संदेश भी देगा।

-रवि सिंह-

कोरिया,01 मार्च 2026 (घटती-घटना)। प्रशासनिक ढांचे में अतिरिक्त प्रभार की व्यवस्था अस्थायी समाधान के रूप में बनाई जाती है,लेकिन जब यही व्यवस्था स्थायी रूप लेने लगे तो विकास की रफ्तार प्रभावित होना तय है,सरगुजा संभाग के कोरिया, सूरजपुर,मनेन्द्रगढ़,अंबिकापुर और बलरामपुर जिलों में इन दिनों कई महत्व पूर्ण विभाग एक-एक अधिकारी के भरोसे तीन-तीन जिलों का भार उठाए हुए हैं,कागजों में योजनाएं स्वीकृत हो रही हैं,बैठकें हो रही हैं,प्रेजेंटेशन बन रहे हैं,लेकिन फील्ड में मॉनिटरिंग की कमी और प्रशासनिक सुस्ती के आरोप बढ़ते जा रहे हैं। 'प्रभारी संस्कृति' अब सवालों के घेरे में है,

कोरिया और आसपास के जिलों में'प्रभारी संस्कृति'अब बहस का विषय बन चुकी है, योजनाएं कागजों पर तेज रफ्तार से आगे बढ़ रही हैं,लेकिन जमीनी सच्चाई मिश्रित संकेत दे रही है, यदि सरकार वास्तव में विकास की गति को बनाए रखना चाहती है, तो अतिरिक्त प्रभार के इस मॉडल की समीक्षा आवश्यक है,अन्यथा,एक अधिकारी–तीन जिले की यह व्यवस्था विकास की राह में सबसे बड़ी बाधा बन सकती है।

प्रशासनिक मॉडल पर उठते सवाल...

1. क्या यह केवल अस्थायी व्यवस्था है या दीर्घकालिक नीति?
2. क्या पदों को भरने में अनावश्यक देरी की जा रही है?
3. क्या 'स्टाफ की कमी' का तर्क विकास की सुस्ती को ढकने का माध्यम बन रहा है? प्रभार व्यवस्था अल्पकालिक समाधान हो सकती है, लेकिन लगातार तीन-तीन जिलों का भार एक अधिकारी को सौंपना प्रशासनिक दक्षता पर प्रश्नचिह्न लगाता है...

असर सिर्फ विभाग पर नहीं,जनता पर भी

इन विभागों की योजनाएं सीधे किसानों,आदिवासियों और ग्रामीण हितग्राहियों से जुड़ी हैं। जब मॉनिटरिंग कमजोर होती है, तो योजनाओं की गुणवत्ता प्रभावित होती है, भ्रष्टाचार और लापरवाही की संभावना बढ़ती है,हितग्राहियों का विश्वास कम होता है,विकास का वास्तविक आकलन फाइलों से नहीं, बल्कि जमीन पर दिखाई देने वाले परिणामों से होता है...

समाधान क्या?

- रिक्त पदों पर शीघ्र नियमित नियुक्ति
- प्रत्येक जिले के लिए अलग पूर्णकालिक अधिकारी
- फील्ड मॉनिटरिंग की अनिवार्य समयबद्ध व्यवस्था
- डिजिटल ट्रैकिंग और पारदर्शिता बढ़ाने की पहल

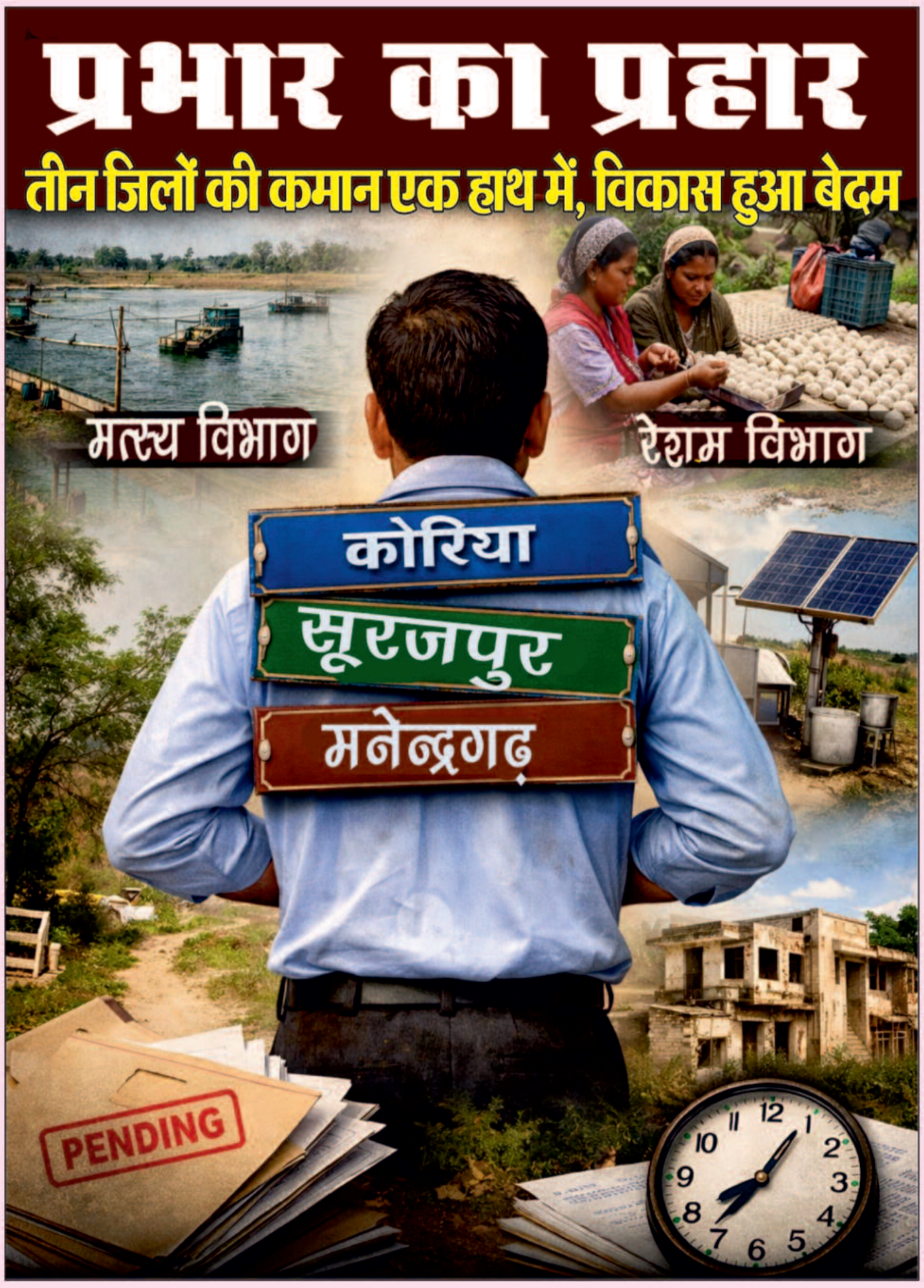

मत्स्य विभाग : तीन जिलों की 'नीली क्रांति' एक ही अधिकारी के भरोसे

मत्स्य विभाग में उप संचालक के पास कोरिया के साथ अंबिकापुर और बलरामपुर का भी प्रभार है,मत्स्य पालन ऐसा विभाग है जो पूरी तरह फील्ड आधारित है,तालाबों का निरीक्षण,मछली बीज वितरण, हितग्राहियों को प्रशिक्षण,अनुदान योजनाओं की निगरानी और गुणवत्ता परीक्षण–इन सबके लिए नियमित उपस्थिति आवश्यक है,लेकिन जब एक अधिकारी को तीन जिलों के बीच लगातार सफर करना पड़े,तो वास्तविक निगरानी प्रभावित होती है,ब्लॉक स्तर के कर्मचारियों पर निर्भरता बढ़ जाती है,जिससे पारदर्शिता और गुणवत्ता दोनों पर असर पड़ सकता है,स्थानीय हितग्राहियों का कहना है कि निरीक्षण की आवृत्ति कम हो गई है,शिकायतों के समाधान में देरी हो रही है, योजनाओं का मूल्यांकन औपचारिकता बनकर रह गया है,सरकार मत्स्य उत्पादन बढ़ाने और किसानों की आय दोगुनी करने की बात करती है,लेकिन तीन जिलों का प्रभार एक अधिकारी को सौंपना इस लक्ष्य के विपरीत माना जा रहा है।

रेशम विभाग : आजीविका की उम्मीदें 'अतिरिक्त प्रभार' में उलझीं

रेशम उद्योग विशेष रूप से आदिवासी और ग्रामीण परिवारों की आय का महत्वपूर्ण स्रोत है,कोरिया, सूरजपुर और मनेन्द्रगढ़ में रेशम उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं संचालित हैं, लेकिन विभाग के उप संचालक को तीनों जिलों का अतिरिक्त प्रभार सौंप दिया गया है, परिणामस्वरूप प्रशिक्षण कार्यक्रम नियमित नहीं हो पा रहे, तकनीकी मार्गदर्शन सीमित हो गया है,फील्ड विजिट कम हो गई है,रेशम उत्पादन एक तकनीकी प्रक्रिया है जिसमें समय पर सलाह और रोग नियंत्रण आवश्यक होता है,अधिकारी की सीमित उपलब्धता से किसानों को नुकसान उठाना पड़ सकता है,विशेषज्ञों का मानना है कि यदि रेशम विभाग को मजबूत बनाना है,तो पूर्णकालिक अधिकारी की नियुक्ति आवश्यक है,अन्यथा योजनाएं केवल आंकड़ों तक सीमित रह जाएंगी।

क्रेडा विभाग : सौर ऊर्जा योजनाएं निगरानी के अभाव में सुस्त

क्रेडा (छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण) की योजनाएं ग्रामीण क्षेत्रों में सौर पंप,सोलर स्ट्रीट लाइट और अन्य ऊर्जा परियोजनाओं के माध्यम से लागू की जा रही हैं,यहां कार्यपालन अभियंता के पास सूरजपुर,कोरिया और मनेन्द्रगढ़–तीनों जिलों का प्रभार है। फील्ड से मिली जानकारी के अनुसार कई स्थानों पर सोलर पंप खराब पड़े हैं,सोलर लाइटें महीनों से बंद हैं, रखरखाव और मरम्मत में देरी हो रही है जब शीर्ष अधिकारी तीन जिलों में विभाजित हों,तो अधीनस्थ कर्मचारियों की जवाबदेही भी कमजोर पड़ जाती है, निरीक्षण कम होते हैं और शिकायतों का समाधान लंबित रहता है।

एक अफसर,तीन जिले और ठप्प योजनाएं–क्या यही है प्रशासनिक मॉडल?	कागज़ों में दौड़ता विकास,जमीन पर सन्नाटा,प्रभार संस्कृति की पोल खुली...	तीन जिलों का बोझ, जवाबदेही शून्य–प्रशासनिक व्यवस्था सवालों के घेरे में...	कोरिया संभाग में 'प्रभारी संस्कृति', क्या अतिरिक्त प्रभार से थम रही विकास की रफ्तार?	मत्स्य, रेशम और क्रेडा में एक अधिकारी,तीन जिले–प्रभावशीलता पर उठते सवाल...	रिक्त पद और अतिरिक्त प्रभार : क्या योजनाओं की गुणवत्ता हो रही प्रभावित?	प्रशासनिक ढांचे की चुनौती : स्टाफ की कमी या नीति की खामी?	प्रभार के पाश में विकास: संभाग में 'एक अधिकारी-तीन जिले' मॉडल पर सवाल...

सड़क हादसों में जीवन रक्षक बनेगी 'राहवीर योजना': मंत्री श्याम बिहारी जयसवाल

-संवाददाता-

एमसीबी,01 मार्च 2026 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की जान बचाने के लिए केंद्र सरकार की 'राहवीर योजना'अब एक नई उम्मीद बनकर सामने आई है। सड़क हादसों में अक्सर देखा गया है कि लोग कानूनी झंझट, पुलिस पूछताछ या अस्पताल की औपचारिकताओं के डर से घायल की मदद करने से हिचकिचाते हैं। इसी मानसिकता को बदलने और अधिक से अधिक लोगों को मदद के लिए आगे लाने के उद्देश्य से यह योजना लागू की गई है। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जयसवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर शुरू की गई यह योजना पूरी तरह जनहित में है, उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटना के बाद का पहला एक घंटा – जिसे 'गोल्डन ऑवर' कहा जाता है – घायल की जान बचाने में सबसे महत्वपूर्ण होता है। यदि इस दौरान सही उपचार मिल जाए तो मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है।

बिना डर के करें मदद

मंत्री ने स्पष्ट किया कि यदि कोई भी नागरिक दुर्घटना में घायल व्यक्ति को एक घंटे के भीतर अस्पताल पहुंचाता है, तो उससे किसी भी प्रकार की पुलिस पूछताछ नहीं की जाएगी,न उसे थाने के चक्कर लगाने होंगे और न ही कानूनी प्रक्रिया में उलझाया जाएगा, मदद करने वाले व्यक्ति की पहचान गोपनीय रखी जाएगी और उसे कानूनी संरक्षण भी दिया जाएगा।

आर्थिक प्रोत्साहन और सम्मान

योजना के तहत घायल को अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति को 25,000 तक की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। इसका उद्देश्य है कि समाज में मानवीय संवेदनाओं को बढ़ावा मिले और लोग बिना भय के आगे आएं,वहीं, दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को 1.5 लाख तक का इलाज पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा,यह सुविधा सरकारी,निजी और सरकारी उपक्रम के अस्पतालों में समान रूप से लागू होगी, अस्पतालों को निर्देश दिए गए हैं कि वे बिना किसी औपचारिकता या अग्रिम राशि के तुरंत उपचार शुरू करें।

गोल्डन ऑवर का महत्व

विशेषज्ञों के अनुसार सड़क दुर्घटनाओं में अधिकांश मौतें समय पर चिकित्सा सुविधा न मिलने के कारण होती हैं, दुर्घटना के बाद का पहला एक घंटा बेहद अहम होता है,इसी समय उचित प्राथमिक उपचार और अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था होने से गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है,'राहवीर योजना' इसी सोच पर आधारित है।

सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा

यह योजना भारत सरकार के Ministry of Road Transport and Highways द्वारा लागू की जा रही है, सरकार का उद्देश्य है कि सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़े और लोग जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाएं,स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यह केवल सरकारी योजना नहीं,बल्कि एक सामाजिक आंदोलन है,यदि प्रत्येक नागरिक यह संकल्प ले कि दुर्घटना में घायल व्यक्ति को तुरंत अस्पताल पहुंचाएगा, तो अनगिनत परिवारों को अपनों को खोने से बचाया जा सकता है।

छत्तीसगढ़ में प्रभाव

छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्गों और राज्य मार्गों पर दुर्घटनाओं की संख्या को देखते हुए यह योजना विशेष रूप से प्रभावी साबित हो सकती है, ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में भी अस्पतालों को निर्देशित किया गया है कि वे गंभीर मामलों में प्राथमिक उपचार देकर तुरंत रेफर करें और किसी भी प्रकार की देरी न हो,'राहवीर योजना' न केवल सड़क हादसों में जीवन रक्षक बनेगी,बल्कि समाज में करुणा,संवेदनशीलता और जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत करेगी,यह योजना इस संदेश को आगे बढ़ाती है कि एक छोटी सी मदद किसी की पूरी जिंदगी बचा सकती है।

गर्मी में पानी की किल्लत से राहत : खड़गंवा की 28 पंचायतों को टैंकर की सौगात

-राजेन्द्र शर्मा-

खड़गवां,01 मार्च 2026 (घटती-घटना)। एमसीबी जिले के खड़गंवा क्षेत्र में हर वर्ष गर्मियों के दौरान ग्रामीण इलाकों में पेयजल की गंभीर किल्लत सामने आती है, खासकर शादी-विवाह,अन्नप्राशन और अन्य सामाजिक आयोजनों के दौरान पानी की व्यवस्था करना ग्रामीणों के लिए बड़ी चुनौती बन जाता है,इसी समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए स्थानीय विधायक एवं प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जयसवाल ने खड़गंवा क्षेत्र की 28 ग्राम पंचायतों को पानी के टैंकर उपलब्ध कराए।

विधायक निधि से मिली सौगात

राज्यस्तरीय टीकाकरण अभियान और किसानों को बोनस राशि अंतरण कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए विधायक निधि से टैंकर देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि उन्हें गांवों की जरूरतों का पूरा ध्यान है और विशेष आयोजनों के समय पानी की कमी से ग्रामीणों को जूझना न पड़े, इसके लिए यह निर्णय लिया गया है, पहले चरण में 28 पंचायतों को टैंकर स्वीकृत किए गए हैं,कार्यक्रम के दौरान बरदर और रतनपुर पंचायतों के लिए सांकेतिक रूप से टैंकरों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। शेष पंचायतों–खड़गंवा, आखराडाढ़,उधनापुर,पैनारी, मुकुंदपुर,भूकभूकी,बरमपुर,छोटे कलुआ,शिवपुर,जड़हरी,धवलपुर, मझौली,गिद्धमुड़ी,जारौधा,कोड़ा सहित अन्य पंचायतों–को भी टैंकर उपलब्ध कराए जाएंगे।

मंत्री ने खुद संभाली ट्रैक्टर की कमान

टैंकर रवाना करते समय स्वास्थ्य मंत्री ने स्वयं ट्रैक्टर में लगे टैंकर को कुछ दूरी तक चलाया। इस दौरान उन्होंने अपने किसान जीवन के दिनों को याद किया और कहा कि खेती-किसानी के समय वे ट्रैक्टर चलाया करते थे। ग्रामीणों ने इसे किसान पुत्र की पहचान बताते हुए उनका स्वागत किया।

ग्रामीणों को बड़ी राहत

गर्मी के मौसम में जलस्तर गिरने से गांवों में पेयजल की समस्या और बढ़ जाती है,पंचायत स्तर पर टैंकर उपलब्ध होने से अब सार्वजनिक आयोजनों और आपातकालीन परिस्थितियों में पानी की आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी,इससे ग्रामीणों को भटकने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और सामाजिक कार्यक्रम सुचारु रूप से संपन्न हो सकेंगे।

मंत्री का बयान

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा,गर्मियों में गांवों में सार्वजनिक कार्यक्रमों के दौरान पानी की सबसे ज्यादा परेशानी होती है,शादी-विवाह,अन्नप्राशन या किसी भी आयोजन में लोगों को भटकना पड़ता है, हर पंचायत में एक टैंकर उपलब्ध होने से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिलेगी, हमारा प्रयास है कि आने वाले समय में किसी भी पंचायत को पानी की कमी से जूझना न पड़े।

विकास और जनसरोकार की झलक

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान,ग्रामीण,जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे, ग्रामीणों ने इस पहल को जनहित में उठाया गया सकारात्मक कदम बताया, उनका कहना है कि यह केवल पानी की व्यवस्था नहीं,बल्कि जनप्रतिनिधि और जनता के बीच विश्वास का प्रतीक भी है,खड़गंवा क्षेत्र की 28 पंचायतों को मिली यह टैंकर सुविधा गर्मी के मौसम में राहत का बड़ा माध्यम बनेगी और ग्रामीण जीवन को सहज बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

न्यायालय नजूल अधिकारी सूरजपुर, जिला सूरजपुर (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0

ईश्तहार

आगामी तिथि 6/3/26

इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण आम जनता/संस्था/विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक ज्वाला प्रसाद गुप्ता आ0 स्व. बिगउ प्रसाद गुप्ता, उम्र 64 वर्श, जाति कसेरा, निवासी नगर सूरजपुर, महावीर गली, प.ह.नं. 11 जिला सूरजपुर छ0ग0 द्वारा आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 109, 110 छ0ग0 भू रा0 सं0 प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि आवेदक / वसीयतग्रहीता के माता स्व. सगरी देवी का आकस्मिक निधन दिनांक 29/12/2025 को हो गया है। मृतक स्व. सगरी देवी अपने जीवनकाल में अपने अधिपत्य की भूमि खसरा नम्बर 1888, 1887 में से क्रमशः 302, 3703 वर्ग फुट भूमि को दिनांक 31.07.2023 को पंजीकृत वसीयतनामा का निश्पादन आवेदक के पक्ष में कर दी है। अतएव मृतिका का नाम विलोपित कर उनके स्थान पर आवेदक का नाम अन्य खातेदारों के साथ दर्ज किए जाने का अनुरोध किया गया है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन लंबित है। अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था / विभाग को कोई दावा / आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक / लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा / आपत्ति दिनांक 6 / 3 / 2026 को न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति के संबंध में कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 6 / 2/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील

नजूल अधिकारी
सूरजपुर

'धान के नाम पर धन': शिवप्रसादनगर समिति में

फर्जीवाड़े की फसल?

रकबा कागज़ पर बढ़ा, गोदाम में धान घटा-और खातों में चला पैसा!

धान के नाम पर धन की बारिश? शिवप्रसादनगर समिति में नामजद शिकायत से हड़कंप 23 किसानों के नाम पर हजारों क्विंटल धान खरीदी का आरोप, समिति प्रबंधक, तत्कालीन शाखा प्रबंधक जगदीश कुशवाहा और कथित दलाल पर मिलीभगत के गंभीर सवाल सोनहत कोरिया

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर,01 मार्च 2026 (घटती-घटना)। जिले के भैयाथान क्षेत्र की शिवप्रसादनगर सहकारी समिति इन दिनों चर्चा में है, किसानों के पसीने से नहीं, कागज़ों के रकबे से उगी फसल के कारण, शिकायतकर्ता ने नामजद आरोप लगाते हुए कहा है कि ओड़गी क्षेत्र के किसानों के नाम पर फर्जी पंजीयन कर धान विक्रय दर्शाया गया, और धान से ज्यादा धन की आवक-जावक पर जोर रहा, आरोपों की सूची लंबी है और पात्र भी–समिति प्रबंधक,बैंक शाखा से जुड़े अधिकारी, कथित दलाल/धान कारोबारी हदीस अंसारी (ग्राम सोनपुर), तथा पूर्व प्रकरण में उल्लेखित अजीत सिंह (तत्कालीन शाखा प्रबंधक) के साथ अब शिकायत में तत्कालीन शाखा प्रबंधक जगदीश कुशवाहा का नाम भी जोड़ा गया है। नोटः सभी आरोप शिकायत के आधार पर हैं;आधिकारिक जांच/पुष्टि शेष है।

मांगें क्या हैं?

- फर्जी पंजीयन की उच्च स्तरीय जांच
- तकनीकी व वित्तीय ऑडिट
- फर्जी आहरण की वसूली
- जिम्मेदारों पर आपराधिक कार्रवाई
- जांच रिपोर्ट सार्वजनिक प्रतिलिपि मुख्यमंत्री, संबंधित मंत्रियों और समाचार पत्रों को भी भेजी गई है–ताकि सूचना केवल सूचना न रहे, कार्रवाई भी बने...

प्रशासन की बारी

अब गेंद प्रशासन के पाले में है। क्या निष्पक्ष जांच होगी? क्या नामजद आरोपों की तह तक पहुंचा जाएगा? या फिर प्रक्रिया जारी है का बैनर फिर से टांगा जाएगा? जिले की जनता की एक ही मांग है—धान खरीदी में पारदर्शिता हो, और धान के नाम पर धन' की फसल बंद हो, मैच अभी बाकी है—अंपायर की सीटी का इंतजार है।

धान के दाने बनाम फाइल के पन्ने

शिकायतकर्ता का दावा है कि 37 पत्रों के दस्तावेज संलग्न हैं। अब देखने वाली बात यह है कि फाइल के पन्ने भारी पड़ते हैं या धान के दाने? यदि आरोप सही निकले, तो यह मामला केवल एक समिति का नहीं,बल्कि धान खरीदी व्यवस्था की पारदर्शिता पर बड़ा प्रश्नचिन्ह होगा।

रकबा बढ़ा...खेत नहीं

शिकायत का दावा है कि वर्ष 2024-25 की धान खरीदी में कम से कम 23 किसानों के नाम पर फर्जी रकबा जोड़कर खरीदी दर्शाई गई। यानी खेत उतने ही रहे, पर कागज़ों पर हरित क्रांति हो गई,कथित तौर पर कई मामलों में 15 से 20 हजार क्विंटल तक खरीदी दिखाए जाने का संदेह है,जनता पूछ रही है–इतना धान आया कहां से? जवाब शायद फाइलों की उपजाऊ मिट्टी में मिलेगा।

बीमा भी 'बीमा' नहीं रहा?

आवेदन में आरोप है कि किसानों के खातों से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की राशि का भी फर्जी आहरण हुआ,यानी फसल सूखे से नहीं, सिस्टम से प्रभावित हुई! शिकायतकर्ता का कहना है कि बैंकिंग प्रक्रिया और शासन के निर्देशों की अनदेखी कर आहरण किए गए,यहां तत्कालीन शाखा प्रबंधक जगदीश कुशवाहा की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए हैं,क्या नियमों की किताब अलमारी में बंद थी,या पढ़ी ही नहीं गई?

ऋण की बारिश,कमीशन की फुहार?

पशुपालन ऋण के नाम पर भी कथित खेल की चर्चा है की पात्रता से अधिक ऋण वितरण, आहरण राशि पर कथित कमीशन, दलालों की सक्रियता, जनता कह रही है–यह योजना है या योजना के नाम पर योजना?

2023 का मामलाः सबक या सिर्फ कागज़?

दस्तावेजों में उल्लेख है कि 4 जनवरी 2023 को थाना झिलमिली (भैयाथान) में धारा 420, 409, 34 भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध हुआ था, पूर्व शाखा प्रबंधक अजीत सिंह का नाम भी सामने आया था; जमानत के लिए लगभग ?62,61,930 जमा होने का उल्लेख है, सवाल यह है–इतने बड़े प्रकरण के बाद सिस्टम ने सीखा क्या? या फिर प्रक्रिया जारी है का पोस्टर चिपका कर आगे बढ़ गए?

पहले भी शिकायत,फिर भी 'सब ठीक'?

आवेदन में दावा है कि 22 मई 2025 को भी शिकायत दी गई थी। मगर कथित तौर पर जांच का पहिया वहीं अटका रहा,शिकायतकर्ता का आरोप है कि जांच के नाम पर फाइलें घूमती रहीं,पर कार्रवाई की स्याही सूखती रही।

आरोप, किस और क्या?

शिकायत में जिन पर सवाल उठाए गए, उनमें समिति प्रबंधक, शिवप्रसादनगर,तत्कालीन शाखा प्रबंधक जगदीश कुशवाहा (जिला सहकारी केंद्रीय बैंक, भैयाथान) पूर्व शाखा प्रबंधक अजीत सिंह (पूर्व प्रकरण संदर्भ) हदीस अंसारी (ग्राम सोनपुर)–कथित दलाल/धान कारोबारी का नाम प्रमुखता से है। आरोप है कि इनकी मिलीभगत से फर्जी पंजीयन,धान विक्रय और राशि आहरण का जाल बुना गया,दोहरावः ये सभी आरोप शिकायत पर आधारित हैं,आधिकारिक जांच की प्रतीक्षा है।

खड़गवां से प्रदेश स्तरीय एचपीवी टीकाकरण अभियान का भव्य शुभारंभ

-संवाददाता-

खड़गवां,01 मार्च 2026 (घटती-घटना)। सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ प्रदेशव्यापी जंग की औपचारिक शुरुआत आज खड़गवां स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से हुई, जिला स्वास्थ्य विभाग एमसीबी द्वारा आयोजित इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्चुअल उद्बोधन से हुआ,समारोह में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जयसवाल की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष महत्व प्रदान किया।

पोलियो उन्मूलन की तर्ज पर कैंसर से मुक्ति का संकल्प

मंत्री ने कहा कि जैसे पोलियो उन्मूलन अभियान ने देश को एक बड़ी बीमारी से मुक्त किया,वैसे ही यह एचपीवी टीकाकरण भविष्य में सर्वाइकल कैंसर के मामलों में भारी कमी लाएगा,एक बालिका के टीके की लागत लगभग 4000 है, जिसे सरकार पूरी तरह निशुल्क उपलब्ध करा रही है। संपूर्ण खर्च राज्य सरकार द्वारा वहन किया जा रहा है,उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदेश सरकार गर्भाशय एवं स्तन कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से महिलाओं को मुक्त कराने के लिए प्रतिबद्ध है और यह अभियान उसी दिशा में एक सशक्त पहल है।

जनसहभागिता से बनेगा अभियान सफल

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्वास्थ्यकर्मी,मितानिन बहनें,जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। विशेषज्ञों का मानना है कि इस अभियान की सफलता के लिए जनजागरूकता अत्यंत आवश्यक है,अभिभावकों को यह समझाना जरूरी है कि टीकाकरण सुरक्षित और प्रभावी है तथा यह बालिकाओं के भविष्य की सुरक्षा से जुड़ा विषय है,खड़गवां से प्रारंभ हुआ यह प्रदेश स्तरीय एचपीवी टीकाकरण अभियान महिला स्वास्थ्य सुरक्षा के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा, सरकार,स्वास्थ्य विभाग और समाज के संयुक्त प्रयास से यह पहल आने वाले समय में हजारों बालिकाओं के सुरक्षित और स्वस्थ जीवन की मजबूत नींव रखेगी।

ऐतिहासिक पहल : कैंसर के विरुद्ध सशक्त कदम

एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) संक्रमण सर्वाइकल कैंसर का प्रमुख कारण माना जाता है। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार समय पर टीकाकरण से इस घातक बीमारी से बचाव संभव है, इसी उद्देश्य से 14 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं के लिए यह टीकाकरण अभियान प्रारंभ किया गया है। सरकार का लक्ष्य है कि बचाव को प्राथमिकता देते हुए भविष्य में सर्वाइकल कैंसर की दर में उल्लेखनीय कमी लाई जाए।

खड़गवां बना पहला टीकाकरण केंद्र

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने खड़गवां टीकाकरण केंद्र का फीता काटकर अभियान का विधिवत शुभारंभ किया, इस अवसर पर खड़गवां क्षेत्र की पाँच बालिकाओं को सर्वप्रथम एचपीवी टीका लगाया गया, ये बालिकाएँ प्रदेश में इस अभियान की पहली लाभार्थी बनीं, मंत्री ने उन्हें प्रमाण पत्र प्रदान कर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

जिले में 4000 बालिकाओं का लक्ष्य

कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. खरे ने बताया कि जिले में लगभग 4000 बालिकाओं को चिन्हित किया गया है,जिनका चरणबद्ध तरीके से टीकाकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कैंसर जैसी बीमारी में इलाज से अधिक बचाव महत्वपूर्ण है। जागरूकता और टीकाकरण के माध्यम से इस बीमारी की रोकथाम की जा सकती है।

स्वास्थ्य मंत्री का संबोधन

अपने संबोधन में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि खड़गवां प्रदेश का पहला टीकाकरण केंद्र बनकर गौरव का विषय बना है, उन्होंने मितानिन बहनों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और स्वास्थ्य विभाग की महिला कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में भी इस अभियान की जानकारी पहुंचाएं, उन्होंने कहा कि प्रदेश की माताएं-बहनें वर्षों से कैंसर जैसी बीमारियों से जूझ रही हैं और यह अभियान उनके स्वस्थ जीवन की दिशा में एक मजबूत कदम है, प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने इसे महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति केंद्र सरकार की संवेदनशील पहल बताया।

उस्ताद भगत सिंह के पोस्टर में पवन कल्याण और श्रीलीला की केमिस्ट्री देख क्रेजी हुए फैंस

उस्ताद भगत सिंह के निर्माताओं ने नया आकर्षक पोस्टर जारी किया है, जिसमें पवन कल्याण और श्रीलीला की केमिस्ट्री दिख रही है। मेकर्स ने बताया कि फिल्म का नॉर्थ अमेरिका प्रीमियर 25 मार्च को होगा,जिससे प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है। पोस्टर में पवन कल्याण स्टाइलिश लुक में हैं, जबकि श्रीलीला मुस्कुराती नजर आ रही हैं।

उस्ताद भगत सिंह के निर्माताओं ने फिल्म का एक नया और आकर्षक पोस्टर जारी किया है। इस मूवी में पवन कल्याण और श्रीलीला नजर आएंगे। अब एक नए पोस्ट के जरिए मेकर्स ने बताया कि नॉर्थ अमेरिका में फिल्म का प्रीमियर 25 मार्च को होगा।

श्रीलीला की मुस्कान ने जीता दिल

इस अपडेट ने पवन कल्याण के प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह भर दिया। सोशल मीडिया पर उनके स्टाइलिश नए लुक की खूब चर्चा हो रही है। पोस्टर में पवन कल्याण हरे रंग के चश्मे पहने और हाथ में बंदूक लिए स्वैग मारते नजर आ रहे हैं। उनके साथ मुख्य भूमिका में नजर आ रही श्रीलीला उन्हें एक प्यारी सी मुस्कान के साथ निहारती हुई दिखाई दे रही हैं।

मेकर्स ने शेयर किया फिल्म का पोस्टर

अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर माइथ्री प्रोडक्शंस ने नया पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, ÷हमारे प्यारे पावर स्टार पवनकल्याण गारू के साथ हमारे हैट्रिक एसोसिएशन का जश्न मना रहे हैं,जो सउस्तादभगतसिंह की आग को उत्तरी अमेरिका में ला रहे हैं। फैंस ने तुरंत इस पर रिएक्ट करना शुरू कर दिया। एक यूजर ने लिखा,लव ट्रैक को ओटीटी पर रिलीज करो और बाकी मूवी सिनेमाघरों में प्लीज।

फैंस के बीच पवन कल्याण का क्रेज

पवन कल्याण ने अपनी अपकमिंग फिल्म उस्ताद भगत सिंह के लेटेस्ट गाने देख लेंगे साला की रिलीज के साथ एक बार फिर साबित कर दिया है कि उनकी फिल्म को लेकर प्रशंसकों में इतना उत्साह क्यों रहता है। यह गाना हाल ही में रिलीज हुआ है और प्रशंसकों इसे जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म निर्माताओं ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर गाना शेयर करते हुए लिखा, सेलिब्रेशन शुरू करें। पवन कल्याण के सबसे बड़े डांस बस्टर पर नाचने का आनंद लें। यह फिल्म पवन कल्याण और निर्देशक हरीश शंकर के बीच दूसरा कोलैबोरेशन है। इसमें राशि खन्ना मुख्य भूमिका में हैं और यह बॉक्स ऑफिस पर नानी की फिल्म द पैराडाइज से मुकाबला करेगी।

23 साल बाद बॉक्स ऑफिस पर छाई तेरे नाम

2 दिन में ही सलमान की फिल्म के कलेक्शन ने मचाई तबाही

बॉलीवुड की क्लासिक कल्ट फिल्म तेरे नाम फिर से सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म ने दो दिनों में ही ताबड़तोड़ कलेक्शन कर लिया है।तेरे नाम सलमान खान की कल्ट मूवी है। सतीश कौशिक के निर्देशन में बनी इस फिल्म को री-रिलीज करने की डिमांड काफी समय से हो रही थी। आखिरकार 27 फरवरी 2026 को इसे 23 साल बाद फिर से बड़े पर्दे पर उतारा गया।

द केरल स्टोरी 2 को दी टक्कर!

द केरल स्टोरी 2 गोज बियॉन्ड से टक्कर लेते हुए तेरे नाम सिनेमाघरों में आई और इसने आते ही धमाकेदार कलेक्शन कर लिया। पहले दिन की तरह दूसरे दिन भी कलेक्शन ठीक-ठाक रहा।

तेरे नाम का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

पिंकविला के मुताबिक,तेरे नाम ने पहले दिन री-रिलीज में करीब 25 लाख रुपये का कारोबार किया था। वहीं, दूसरे दिन शनिवार को

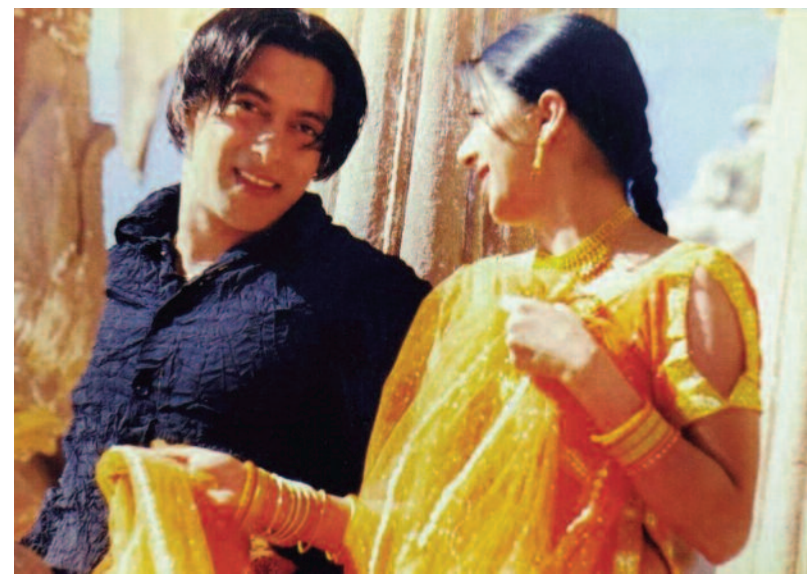

भी फिल्म की कमाई इतनी ही रही। यानी कि दो दिन के अंदर तेरे नाम ने री-रिलीज में 50 लाख रुपये का कलेक्शन कर लिया है। शुक्रवार और रविवार को कमाई का ये नंबर देख अंदाजा लगाया जा रहा है कि रविवार को फिल्म अच्छा कारोबार कर सकती है। हालांकि, भारत का टी20 वर्ल्ड कप मैच कहीं तेरे नाम के आंकड़े बिगाड़ न दे। खैर, तेरे नाम ने 90 दशक के ऑडियंस को क्रेजी कर दिया है।

टॉक्सिक-धुरंधर 2 से पहले हट जाएगी तेरे नाम

बताया जा रहा है कि तेरे नाम रणवीर सिंह की धुरंधर और टॉक्सिक की रिलीज तक ही सिनेमाघरों में रहेगी। दोनों फिल्में 19 मार्च 2026 को रिलीज होंगी।

क्या तोड़ेगी 23 साल पुराना रिकॉर्ड?

तेरे नाम में सलमान खान के अपोजिट भूमिका चावला ने अहम भूमिका निभाई थी। 23 साल पहले तेरे नाम ने दुनियाभर में 22.23 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। जबकि भारत में फिल्म का कलेक्शन 14 करोड़ रुपये के ऊपर था। अब देखते हैं कि री-रिलीज में यह पुराना रिकॉर्ड तोड़ पाती है या नहीं।

20 साल पहले रिलीज हुई फिल्म,जिसने लगाई परेश रावल-राजपाल यादव की लॉटरी,अब बनेगा उसका सीक्वल

इन दिनों कई फिल्मों के सीक्वल बन रहे हैं और इस लिस्ट में एक 20 साल पुरानी फिल्म का नाम भी शुमार हो चुका है। भागम भाग 2 और हसीना मान जाएगी जैसी फिल्मों के सीक्वल की चर्चा बनी हुई है और अब मार्च 2006 में रिलीज हुई फिल्म का नाम भी शामिल हो गया है। भागम भाग 2 और हसीना मान जाएगी 2, हेरा फेरी 3, गोलमाल 5 और धमाल 4 जैसी चर्चित फिल्मों के सीक्वल इन दिनों चर्चा में बने हुए हैं और अन्य फिल्मों के सीक्वल की भी चर्चा जोरों पर है। इनमें से कुछ पर तो काम शुरू हो गया है, लेकिन कुछ का अब तक अनाउंसमेंट नहीं हुआ है। अब सीक्वल वाली लिस्ट में एक और फिल्म का नाम शामिल हो गया है। ये फिल्म 20 साल पहले 10 मार्च 2006 को सिनेमाघरों में एक फिल्म रिलीज हुई थी और अब इसके सीक्वल पर काम शुरू हो चुका है। हम बात कर रहे हैं मालामाल वीकली की,जिसमें रितेश देशमुख,परेश रावल,राजपाल यादव,शक्ति पूर,असरानी,ओम पुरी और रीमा सेन जैसे कलाकार नजर आए थे।

प्रियदर्शन की कल्ट क्लासिक का बनेगा सीक्वल

साल 2006 में रिलीज हुई मालामाल वीकली दर्शकों को खूब पसंद आई थी। ये एक कॉमेडी फिल्म थी, जिसे प्रियदर्शन ने लिखा और निर्देशन किया था। ये पिक्चर 1998 की %वेडिंग नेड% पर आधारित थी। इस कल्ट क्लासिक को 7 करोड़ में बनाया गया था और बॉक्स ऑफिस पर इसने 42.7 करोड़ का कलेक्शन किया था। हाल ही में इस फिल्म के सीक्वल की चर्चा शुरू हुई, जिस पर परेश रावल ने खुद मुहर लगा दी है। परेश रावल ने बताया कि वह इस फिल्म का सीक्वल कर रहे हैं।

परेश रावल ने की पुष्टि

एक विशेष बातचीत में, परेश रावल ने मालामाल वीकली 2 में काम करने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा, हां, यह सच है। मैं फिल्म कर रहा हूं। परेश रावल के इस ऐलान के बाद फैंस काफी खुश हैं। बॉलीवुड के इतिहास में ऐसी कई फिल्में रही हैं जिसमें भले ही कोई बड़ा स्टार न रहा हो, इसके बावजूद फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की। 2006 में रिलीज हुई मलामाल वीकली भी इन्हीं फिल्मों में से एक है, जिसने अपने बजट से छह गुना अधिक कमाई की। फिल्म की सफलता के बाद प्रियदर्शन ने इसे मलयालम में आमायुम मुयालुम के रूप में भी रीमेक किया।

खेल समाचार

टी-20 वर्ल्डकप में साउथ अफ्रीका ने जिम्बाब्वे को 5 विकेट से हराया

ग्रुप-1 के टॉप पर फिनिश किया न्यूजीलैंड से पहला सेमीफाइनल कोलकाता में खेलेगी

नई दिल्ली,01 मार्च 2026। साउथ अफ्रीका ने टी-20 वर्ल्ड कप में अपने आखिरी सुपर-8 मैच में जिम्बाब्वे को 5 विकेट से हराया। टीम ने ग्रुप-1 के पॉइंट्स टेबल में नंबर-1 पर रहते हुए फिनिश किया है। टीम 4 मार्च को कोलकाता में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला सेमीफाइनल मैच खेलेगी। रविवार के पहले मैच में नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। जिम्बाब्वे की टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 153 रन बनाए। जवाब में साउथ अफ्रीका ने 17.5 ओवर में 5

विकेट पर टारगेट चेज कर लिया है। डेवाल्ड ब्रेविस ने सबसे ज्यादा 42 रन बनाए। सिकंदर रजा ने 3 विकेट झटके। उन्होंने 73 रन की पारी भी खेली। रजा को प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

जिम्बाब्वे:-ब्रायन बेनेट, तादिवानाशे मरुमनी, डायन मायर्स, सिकंदर रजा (कप्तान), रायन बर्ल, टोनी मुनयोंगा, क्लाइव मदांडे, ब्रैड इवांस, वेलिंगटन मसाकाद्जा, ग्रीम क्रेमर और ब्लेसिंग मुजरबानी।

साउथ अफ्रीका:- ऐडन मार्करम (कप्तान), क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), रायन रिकेल्टन, डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, जॉर्ज लिंडे, कॉर्बिन बॉश, एनरिक नॉर्त्या, क्वेना मफाका और लुंगी एनगिडी।

रिचा घोष का नाम पश्चिम बंगाल वोटर लिस्ट में 'अंडर-जज्यूडिकेशन' में दर्ज

कोलकाता,01 मार्च 2026। वर्ल्ड कप जीतने वाली इंडियन महिला क्रिकेट टीम की मेंबर, रिचा घोष का नाम पश्चिम बंगाल की फाइनल वोटर लिस्ट में अंडर-ज्यूडिकेशन में डाल दिया गया है। यह मामला तब सामने आया जब स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन एक्सरसाइज के बाद राज्य की फाइनल वोटर लिस्ट पब्लिश हुई। इलेक्शन कमीशन ऑफ़ इंडिया ने तीन कैटेगरी में वोटरों की पहचान की। जिन लोगों के नाम बाहर कर दिए गए हैं, उन्हें डिलीट घोषित कर दिया गया है। एलिजिबल वोटरों को अप्रूव्ड घोषित किया गया है। इसके अलावा, वोटर लिस्ट में 60,06,675 लोगों के नाम हैं, लेकिन उनके डॉक्यूमेंट्स वेरिफाई और सेटल नहीं किए गए हैं।

रिचा घोष,नॉर्थ बंगाल में सिलीगुड़ी म्युनिसिपैलिटी के वार्ड नंबर 19 की रहने वाली हैं। राज्य सरकार ने रिचा को बंग भूषण अवॉर्ड से सम्मानित किया था। रिचा को राज्य पुलिस में डीएसपी की नौकरी भी दी गई है। लेकिन, इतनी पहचान के बावजूद, ऋचा का नाम अंडर एडजुडिकेशन कैटेगरी में है। उनके पिता मनबेंद्र घोष के मुताबिक, भारतीय क्रिकेट के प्रति अपने कमिटमेंट की वजह से ऋचा साल में ज़्यादातर समय राज्य या देश से बाहर रहती हैं। एसआईआर प्रोसेस के दौरान उनके नाम पर एक नोटिस जारी किया गया था।

ऋचा के पिता ने दावा किया कि एसआईआर नोटिस मिलने के बाद, सभी डॉक्यूमेंट्स ऑनलाइन जमा कर दिए गए थे। मनबेंद्र ने कहा, लेकिन उसके बाद भी कोई हल नहीं निकला। सिर्फ ऋचा ही नहीं, बल्कि उनकी बहन सोमश्री घोष का नाम भी इसी कैटेगरी में है। सिलीगुड़ी म्युनिसिपैलिटी के वार्ड 19 की काउंसलर और लेफ्ट फ्रंट की लीडर मौसमी हाज़रा इस डेवलपमेंट के बारे में जानने के बाद ऋचा के घर गईं।

पीवी सिंधु ने दुबई से साझा किया संकट के बीच अपना अनुभव

नई दिल्ली,01 मार्च 2026। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु,दुबई एयरपोर्ट पर फंसी रहीं, जब वे बर्मिंघम जा रही थीं, क्योंकि ईरान और यूके-इज़राइल के बीच बढ़ते तनाव के कारण फ्लाइट ऑपरेशन रोक दिए गए थे। उन्होंने दुबई से अपना बुरा अनुभव शेयर किया और कहा कि पिछले कुछ घंटे बहुत टेंशन वाले रहे हैं, क्योंकि दुबई एयरपोर्ट पर जहां वह और उनकी टीम छिपी हुई थीं, उसके बहुत पास इंटरसेप्शन और धमाकों की आवाज़ें आ रही थीं।

सिंधु मंगलवार से शुरू होने वाले मशहूर ऑल इंग्लैंड ओपन के लिए बर्मिंघम जा रही थीं, और रास्ते में उन्हें दुबई में रुकना था। लेकिन दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट फ्लाइट में बड़ी रुकावट के कारण दुबई एयरपोर्ट पर फंस गईं। सिंधु ने एक वीडियो मैसेज में कहा,मैं बैंगलोर से यूके के बर्मिंघम जा रही थी,जहाँ मैं अभी फुल-टाइम ट्रेनिंग करती हूँ और रहती हूँ। वहाँ मुझे ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में हिस्सा लेना था। और, जैसे ही हमारी फ़्लाइट दुबई में लैंड हुई,हमारे कंट्रोल से बाहर की घटनाएँ होने लगीं,और थोड़ी देर बाद एयरस्पेस भी बंद कर दिया गया। और पिछले कुछ घंटे बहुत टेंशन वाले रहे हैं। हम ऊपर से इंटरसेप्शन की आवाज़ें सुन सकते थे,और कुछ घंटों बाद,दुबई एयरपोर्ट पर जहाँ हम छिपे हुए थे,उसके बहुत पास एक धमाका हुआ। जहां यह हुआ, वहां से मेरा कोच मुश्किल से 100 मीटर दूर था और मुझे जल्दी से उस जगह से बाहर निकलना पड़ा। इतने पास से ऐसा कुछ अनुभव करना सच में आपकी नींव को हिला देता है। आप कभी उम्मीद नहीं करते कि आपके या आपके किसी करीबी के साथ ऐसी चीजें होंगी। लेकिन कभी-कभी हालात आपके कंट्रोल से बाहर होते हैं। मैं बहुत खुशकिस्मत महसूस करती हूं कि मेरे आस-पास इतनी मजबूत और एकजुट टीम है, और हर कोई शांत रहा, एक-दूसरे को सपोर्ट किया और बहुत डरावनी स्थिति के दौरान असली ताकत दिखाई,उन्होंने कहा। सिंधू ने यह भी कन्फर्म किया कि सभी सुरक्षित हैं और उन्हें ज़्यादा सुरक्षित जगह पर ले जाया गया है। उन्होंने एयरपोर्ट अथॉरिटी और दुबई में इंडियन हाई कमीशन के अधिकारियों को तनावपूर्ण स्थिति के दौरान उनकी तुरंत मदद का क्रेडिट दिया।

लामिन यामल ने अपनी पहली हैट-ट्रिक बनाई,बार्सिलोना टॉप पर बना हुआ है...

बार्सिलोना,01 मार्च 2026। बार्सिलोना एफ सी ने ला लीगा फुटबॉल मैच 4-1 के शानदार अंतर से जीत लिया। इस मैच में बार्सिलोना के स्टार खिलाड़ी लामिन यामल ने अपनी पहली हैट्रिक बनाई। बार्सिलोना का मुकाबला विलारियल से उनके घरेलू मैदान पर हुआ। इस मैच में, 18 साल के लामिन यामल ने 28 वें, 37 वें और 69वें मिनट में गोल किए। उन्होंने अपने पहले सीनियर फुटबॉल मैच में हैट्रिक बनाकर एक नया रिकॉर्ड बनाया। फर्मिन ने पहले दो गोल में मदद की और पेट्री ने तीसरा गोल करने में मदद की। रियल के लिए विला ने 49वें मिनट में एक सांत्वना गोल किया, और लेवांडोव्स्की ने 90+1 मिनट में गोल करके स्कोर 4-1 कर दिया। लामिन यामल पिछली सदी में ला लीगा फुटबॉल में हैट्रिक बनाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी होने का रिकॉर्ड रखते हैं। बार्सिलोना के पास 74 प्रतिशत पज़ेशन था और उसने 8 बार बॉल को टारगेट पर मारा। इस जीत के साथ, बार्सिलोना ने 64 पॉइंट्स के साथ पॉइंट्स टेबल में अपना टॉप स्थान बनाए रखा है। रियल मैड्रिड 4 पॉइंट्स (60 पॉइंट्स) के गैप के साथ दूसरे स्थान पर बना हुआ है।

आईपीएल 2026 के लिए चेन्नई सुपर किंग्स सीएसके ने लांच की नई जर्सी

चेन्नई ,01 मार्च 2026। पांच बार आईपीएल खिताब जीत चुकी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने लीग के आगामी सीजन (आईपीएल 2026) से पहले अपनी नई जर्सी की झलक दिखाई है। सीएसके ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डाला था, जिसमें रविवार सुबह 7.07 बजे एक बड़ी घोषणा की बात की गई थी। यह समय और नंबर फ्रेंचाइजी एमएस धोनी से गहराई से जुड़ा हुआ है। सीएसके ने एक शानदार वीडियो जारी किया जिसने फैंस को चौंकाया। वीडियो ने नए सीजन से पहले सीएसके कैंप में धोनी के आने की पुष्टि की और फ्रेंचाइजी की आईपीएल 2026 जर्सी की पहली झलक भी दिखाई गई। 2026 की जर्सी ने सीएसके की पहचान बनाए रखी है। साथ ही इसमें हल्के डिजाइन अपडेट भी किए गए हैं। सीएसके के क्रेस्ट के ऊपर पांच स्टार हैं,जो फ्रेंचाइजी के पांच इंडियन प्रीमियर लीग खिताब (2010,2011,2018,2021 और 2023)

को दिखाते हैं। पिछले सीजन सीएसके का प्रदर्शन खराब रहा था। टीम 14 मैचों में,10 हार और 4 जीत के साथ अंक तालिका में सबसे नीचे रही थी। 2026 सीजन से पहले, सीएसके ने टीम में कुछ बड़े बदलाव किए हैं। रवींद्र जडेजा और सैम कुरेन अब टीम का हिस्सा नहीं हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को टीम से जोड़ा गया है। सीएसके ने प्रशांत वीर और कार्तिक शर्मा जैसे युवाओं को भी टीम में शामिल किया है। रुतुराज गायकवाड़ कप्तानी करेंगे। सीएसके टीम का हिस्सा संजू सैमसन और शिवम दुबे फिलहाल टीम इंडिया का हिस्सा हैं और टी20 विश्व कप खेल रहे हैं। लीग की शुरुआत होने वाली है,इसलिए सीएसके तैयारी मोड में है। चेन्नई में फ्रेंचाइजी के हाई-परफॉर्मेंस सेंटर में होने वाले तैयारी कैंप में शामिल होने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट के मुताबित एमएस धोनी इस सीजन में टीम के लिए सभी मैचो में उपलब्ध नहीं होंगे।

CMYK

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय कबीर मठ आश्रम में आयोजित अखिल भारतीय सद्गुरु कबीर संत सम्मेलन में हुए शामिल

संत कबीर की वाणी समाज को जोड़ती है,सरकार का संकल्प जनजीवन संवारता है : मुख्यमंत्री साय

रायपुर,01 मार्च 2026। संत परंपरा और आध्यात्मिक चेतना समाज को सही दिशा देती है, और जब शासन व्यवस्था इन मूल्यों से जुड़ती है, तो विकास और संस्कार दोनों साथ-साथ आगे बढ़ते हैं। संत कबीर की वाणी समाज को जोड़ती है, सरकार का संकल्प जनजीवन संवारता है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजनांदगांव जिले के डोंगरगांव विकासखंड के ग्राम नादिया स्थित कबीर मठ आश्रम में आयोजित अखिल भारतीय सदुरु कबीर संत सम्मेलन फाल्गुन महोत्सव को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर आश्रम में विकास कार्य के लिए 11 लाख रुपए स्वीकृत करने की घोषणा की। उन्होंने मठ आश्रम परिसर में स्थायी डोम निर्माण और प्रतिवर्ष आयोजन के लिए बजट में राशि का प्रावधान करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने ग्राम नादिया में मिनी स्टेडियम के निर्माण की घोषणा की, साथ ही राजनांदगांव शहर में कबीर साहेब के नाम भव्य प्रवेश द्वार निर्माण की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री साय ने संत सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि 202 साल पहले पूज्य सदुरु सेवा साहब जी ने नादिया जैसे गांव में कबीर मठ की स्थापना की। हलबा समाज के संत स्वरूप मंतू ठाकुर जी ने आश्रम की सेवा के लिए अपनी समस्त संपत्ति अर्पित कर दी। साय ने कहा कि हलबा समाज का गौरवशाली और समृद्ध इतिहास रहा है। हलबा समाज से गेंदसिंह जी जैसे महानायक हुए हैं। मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ में सदुरु कबीर के प्रभाव का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारे प्रदेश में सदुरु संत कबीर का बड़ा प्रभाव है। उन्होंने अपने बचपन से ही कबीर पंथ से जुड़ाव का उल्लेख करते हुए कहा कि कुनकुरी में कबीरपंथ का बड़ा आश्रम है। बचपन से ही पंथ के रीति-रिवाजों से मैं भलीभांति परिचित रहा।छत्तीसगढ़ का जिला कबीरधाम सदुरु के नाम पर है। यहां के लोकजीवन में कबीर की वाणी का प्रभाव है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कबीर दास जी के दोहों में जीवन का संदेश है। उन्होंने 'निंदक नियरे राखिए' जैसे कबीर संत के दोहों को दोहराया। साय ने कहा कि संत कबीर कहते थे कि हमारे भीतर अपनी कमियों को सुनने का साहस होना चाहिए, ताकि हम खुद को बेहतर बना सकें। उनके दोहों में आदर्श जीवन और मानव समाज के हित के संदेश हैं, इसलिए हमें कबीरदास जी के बताए मार्ग पर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारा छत्तीसगढ़ धान का कटोरा है, जहां की 80 प्रतिशत आबादी कृषि अर्थव्यवस्था से जुड़ी है।

हमने सुव्यवस्थित धान खरीदी की। धान बेचने के 48 घंटे के भीतर किसानों के खाते में राशि पहुंचे, यह सुनिश्चित किया। शनिवार को हमने 25 लाख 28 हजार से अधिक किसानों के खातों में कृषक उन्नति योजना के माध्यम से 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि अंतरित की। महतारी वंदन योजना अंतर्गत प्रदेश की 69 लाख से अधिक माताओं-बहनों के खातों में 15 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का भुगतान किया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि मोदी की गारंटी में हमने वादा किया था कि सरकार बनते ही प्राथमिकता के आधार पर 18 लाख आवास प्रदान करेंगे। हमने शपथ लेने के 24 घंटे के भीतर ही पहली कैबिनेट बुलाकर 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति दे दी। आज 8 लाख से ज्यादा मकान बन चुके हैं, जिनका गृह प्रवेश भी हो चुका है। इतना ही नहीं, बस्तर क्षेत्र में नक्सलवाद समाप्त हो रहा है। आत्मसमर्पित नक्सलियों के लिए 15,000 प्रधानमंत्री आवासों की अलग से स्वीकृति हुई है। पीवीजीटी समुदाय के लोगों के लिए अलग से 32,000 पीएम आवासों की स्वीकृति हुई है। मुख्यमंत्री साय ने बताया कि जैसे-जैसे नक्सलवाद समाप्त हो रहा है, बस्तर के पिछड़े क्षेत्रों में विकास हो रहा है। जिन गांवों में कभी सर्वे नहीं होता था,आज वहां की 7,000 से अधिक महिलाओं को महतारी वंदन योजना का लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने दो साल में 32,000 से ज्यादा नौकरियों की प्रक्रिया शुरू की। 5,000 से अधिक शिक्षकों की भर्ती निकाली जा रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारा छत्तीसगढ़ प्रभु श्रीराम का ननिहाल और माता कौशल्या का मायका है। प्रभु श्रीराम ने 14 साल में सबसे ज्यादा समय छत्तीसगढ़ में बिताया। 500 साल के संघर्ष के बाद अयोध्या धाम में हमारे भांचा राम विराजमान हुए तो हमने छत्तीसगढ़ से श्रीराम लला दर्शन योजना की शुरुआत की, जिसके तहत अब तक 42,000 से अधिक लोगों को अयोध्या धाम और काशी विश्वनाथ धाम का दर्शन कराया जा चुका है। हमने मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना की भी पुनः शुरुआत की है, जिसमें 5,000 से ज्यादा लोगों को देश के 19 चिन्हांकित तीर्थस्थलों का दर्शन कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार भ्रष्टाचार के सख्त खिलाफ है। डीएमएफ, कोयला और पीएससी घोटाले के दोषी जेल के भीतर हैं। आज राज्य में प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शी व्यवस्था है, इसलिए गरीब का बेटा भी बड़ा अधिकारी बन रहा है।

अवैध रूप से रह रही बांग्लादेशी महिला और बच्चे को हाई कोर्ट ने नहीं दी रिहाई,दी ये दलील

बिलासपुर,01 मार्च 2026। बांग्लादेशी युवती और उसके नाबालिग बेटे को नारी निकेतन से मुक्त करने की मांग वाली बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि महिला का भारत में कोई अभिभावक नहीं है और वह अवैध रूप से यहां रह रही है, इसलिए उसकी सुरक्षा और भलाई के लिए नारी निकेतन में रखना उचित है। पुलवामा घटना के बाद में पति-पत्नी को बिलासपुर पुलिस ने हिरासत में लिया है।

पति ने दायर की थी याचिका : मामला उस समय सामने आया जब बिलासपुर निवासी एक व्यक्ति ने खुद को महिला का पति बताते हुए याचिका दायर की। उसने दावा किया कि वह देवरीखुर्द का रहने वाला है और अलग धर्म होने के कारण दोनों ने भागकर शादी की थी। उसने आरोप लगाया कि उसकी पत्नी और बेटे को रायपुर के नारी निकेतन में जबरन रखा गया है और उन्हें उसके सुपुर्द किया जाए। सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि याचिकाकर्ता और महिला दोनों बांग्लादेशी नागरिक हैं, जो बिना वैध दस्तावेज भारत आए थे।

नारी निकेतन में दिया बच्चे को जन्म : महिला गर्भवती होने के कारण पहले बाल कल्याण समिति और बाद में नारी निकेतन में रखी गई, जहां उसने बच्चे को जन्म दिया। साथ ही यह भी बताया गया कि याचिकाकर्ता के खिलाफ बांग्लादेश में अपहरण का मामला दर्ज है। चीफ जस्टिस और जस्टिस की खंडपीठ ने कहा कि हैबियस कॉर्पस तभी लागू होता है जब हिरासत गैर-कानूनी हो। इस मामले में महिला और बच्चे को सजा के तौर पर नहीं,बल्कि सुरक्षा और देखभाल के लिए रखा गया है। डिपोर्टेशन की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जब तक निर्वासन की कानूनी प्रक्रिया पूरी नहीं होती,तब तक महिला और बच्चे का नारी निकेतन में रहना अस्थायी और वैध व्यवस्था है।

महासमुंद में 73 लाख के इनामी 15 नक्सलियों का सरेंडर

14 हथियार भी साथ लाए, इनमें एके-47,इंसास-एसएलआर जैसे वेपन,सभी BBM के सदस्य थे...

महासमुंद,01 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में 15 नक्सलियों ने सरेंडर किया। इन नक्सलियों पर कुल 73 लाख रुपए का इनाम था। इसमें 9 महिलाएं और 6 पुरुष शामिल हैं। सरेंडर करने वालों में ओड़िशा राज्य कमेटी के पश्चिमी सब-जोनल ब्यूरो सचिव विकास उर्फ सुदर्शन भी शामिल हैं। विकास पर 25 लाख रुपए का इनाम था। इसके अलावा तीन डिविजनल कमेटी सदस्य, चार एरिया कमेटी सदस्य और सात पार्टी सदस्य शामिल हैं। डिविजनल कमेटी सदस्यों पर 8-8 लाख, एरिया कमेटी सदस्यों पर 5-5 लाख और सात पार्टी सदस्यों पर 1-1 लाख रुपए का इनाम था। सभी नक्सली बलांगीर, बरगढ़ और महासमुंद कमेटी के सदस्य थे। इन नक्सलियों ने 3 एके-47, 2 एसएलआर, 2 INSAS, 4-303 राइफल और 3-12 बोर सहित कुल 14 हथियार पुलिस को सौंपे। इस घटना के बाद छत्तीसगढ़ का रायपुर पुलिस रेंज और ओडिशा का संबलपुर रेंज पूरी तरह से नक्सल मुक्त हो गया है। यह आत्मसमर्पण अभियान 'पुना मारगेम - पुनर्वास से पुनर्जीवन' के तहत आयोजित किया गया था। छत्तीसगढ़ और ओडिशा पुलिस ने सभी नक्सलियों का रेड कार्पेट बिछाकर स्वागत किया। उन्हें संविधान की प्रति, राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा और गुलाब का फूल भेंट किया गया, ताकि वे मुख्यधारा में लौट सकें। परसदा पुलिस लाइन में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुलिस अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय के सहयोग से 2024 से नक्सल मुक्त भारत बनाने की दिशा में पुनर्वास अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधिकारी के अनुसार, इस अभियान के चलते छत्तीसगढ़ और ओड़िशा के नक्सली अब धीरे-धीरे आम लोगों की तरह समाज की मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं। इन 15 नक्सलियों में ओडिशा राज्य कमेटी के पश्चिमी ज़ोन के सदस्य शामिल थे। संगठनात्मक रूप से ये तीन अलग-अलग एरिया कमेटी में काम कर रहे थे। सबसे वरिष्ठ नक्सली विकास उर्फ सुदर्शन की उम्र 57 साल है और 1985 से संगठन में सक्रिय है। 15 नक्सलियों के आत्मसमर्पण के बाद ओडिशा राज्य कमिटी का पश्चिमी सब ज़ोन पूरी तरह से खत्म हो गया है। साथ ही, छत्तीसगढ़ के रायपुर रेंज और उड़ीसा का संबलपुर रेंज भी नक्सली मुक्त हो गया है।

15 नक्सलियों ने हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया

छत्तीसगढ़ और ओडिशा के सीमा क्षेत्रों में सक्रिय 15 नक्सली ने 14 आधुनिक और ऑटोमैटिक हथियारों के साथ पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया। इनमें 3 एके-47, 2 एसएलआर, 2 इंसास, 4 .303 राइफल और 3 12-बोर शामिल हैं। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विवेकानंद सिन्हा ने बताया कि इन नक्सलियों को आत्मसमर्पण के लिए कई माध्यमों से संपर्क किया गया - जैसे आकाशवाणी, पोस्टर, बैनर, पंपलेट आदि। शासन की नीति के तहत आत्मसमर्पण करने वालों को इनामी राशि, स्वास्थ्य सुविधा, आवास और रोजगार जैसी सुविधाएं मिलती हैं। डॉ. सिन्हा ने कहा कि जंगलों में रहने से कई परेशानियां होती हैं और परिवार से दूरी बढ़ जाती है। पहले आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली अब अपने परिवार के साथ सुरक्षित और खुशहाल जीवन बिता रहे हैं। इसे देखकर और अन्य नक्सली भी हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज में शामिल हो रहे हैं।

10 बड़ी दुकानें और तीस कमरे तोड़े

6 जेसीबी,2 पोकलेन और भारी पुलिस बल तैनात लालपुर में दूसरे दिन भी जारी है कार्रवाई

रायपुर,01 मार्च 2026। लालपुर में लगभग 20 हजार वर्गफीट शासकीय कोटवारी भूमि पर किए गए अवैध निर्माण के खिलाफ जिला प्रशासन और नगर निगम की संयुक्त कार्रवाई लगातार दूसरे दिन भी जारी रही। दो दिन चले अभियान में करीब 90 प्रतिशत निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया है। प्रशासन के अनुसार,शासकीय जमीन पर अवैध कब्जा कर लगभग 10 बड़ी दुकानें और 30 बड़े कमरे बनाए गए थे। सीमांकन के बाद इन निर्माणों को तोड़ने की कार्रवाई शुरू की गई। कार्रवाई के दौरान 6 जेसीबी,2 पोकलेन मशीनें, 10 डंपर और बड़ी संख्या में मजदूर लगाए गए। मौके पर राजस्व विभाग, नगर निगम के अधिकारी और पुलिस बल मौजूद रहे। यह कार्रवाई 'टीम प्रहरी' अभियान के तहत की गई। महापौर मीनल चौबे,पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला,कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह और निगम आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर एसडीएम नंद कुमार चौबे के मार्गदर्शन में जोन-10 क्षेत्र में अभियान चलाया गया। जोन कमिश्नर विवेकानंद दुबे, नायब तहसीलदार ज्योति सिंह समेत नगर निगम और राजस्व विभाग की टीम मौके पर मौजूद रही। प्रशासन का कहना है कि अभियान राजधानी में अवैध निर्माण करने वालों के लिए स्पष्ट चेतावनी है।

हाईवा और ट्रेलर में आमने-सामने भिड़ंत वाहन में आग लगने से जिंदा जले चालक

रायगढ़,01 मार्च 2026। जिले के घरघोड़ा थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। घरघोड़ा से कुडुमकेला मार्ग पर कुरकुट नाला के पास तेज रफ्तार हाईवा और ट्रेलर की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कुछ ही मिनटों में दोनों वाहनों में आग भड़क उठी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग ने पलक झपकते ही विकराल रूप ले लिया। दोनों वाहनों के केबिन में फंसे चालक बाहर नहीं निकल सके। एक चालक की जिंदा जलने से मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि दूसरे चालक की आधिकारिक पुष्टि आग पूरी तरह बुझने के बाद की जाएगी। घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई, लेकिन आग की लपटें इतनी तेज थीं कि कोई मदद नहीं कर सका।

बजट-2026 में बिलासपुर को पेयजल,कई बाईपास,फ्लाईओवर मिला

विधायक अमर अग्रवाल ने कहा...शहर के विकास के लिए सभी प्रस्तावों को मिली मंजूरी

बिलासपुर,01 मार्च 2026। पूर्व वित्त मंत्री और नगर विधायक अमर अग्रवाल ने कहा है कि राज्य सरकार का मौजूदा बजट विकसित और आधुनिक छत्तीसगढ़ का आधार बनेगा। उन्होंने बताया कि बिलासपुर के विकास और जरूरतों को लेकर बुलाई गई उच्च स्तरीय बैठक में रखे गए सभी प्रस्तावों को स्वीकृति मिल गई है। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और वित्त मंत्री ओपी चौधरी के प्रति शहर की जनता की ओर से आभार व्यक्त किया।

जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में अग्रवाल ने दावा किया कि 2023 के चुनाव के दौरान जनता से किए गए सभी वादों को पूरा करने वाली योजनाएं स्वीकृत हो चुकी हैं और उन पर कार्य शुरू हो गया है। उनके पूर्ण होने पर बिलासपुर आने वाले समय में एक नए स्वरूप में उभरेगा। शहर की भविष्य की पेयजल जरूरतों को ध्यान में रखते हुए भी योजनाएं तैयार की गई हैं।

अमर अग्रवाल ने बताया कि अमृत मिशन योजना के तहत शहरवासियों को खूंटाघाट से पानी मिल रहा है, लेकिन भविष्य की अतिरिक्त जरूरतों के लिए पाराघाट में बांध बनाकर पानी लिया जाएगा। 500 करोड़ रुपये की इस योजना को अगले 8-10 दिनों में प्रशासनिक स्वीकृति मिलने की उम्मीद है। परियोजनाओं में देरी के सवाल पर उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी काम को शुरू करने में कई कारण हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि अंडरग्राउंड सीवरेज परियोजना का काम सिटी कोतवाली के पास इसलिए रुका हुआ है, क्योंकि वहां पाइपलाइन बिछाने के लिए चट्टान हटाने हेतु ब्लास्टिंग करनी पड़ेगी। ब्लास्टिंग से इमारतों को नुकसान पहुंच सकता है, इसलिए अब सीवरेज का रूट डायवर्ट किया जा रहा है। अग्रवाल ने यह भी कहा कि कार्य के दौरान लापरवाही या इच्छा शक्ति में कमी स्वीकार्य नहीं है।

कैंसर यूनिट 6 माह में शुरू हो जाएगा...

बजट में स्वीकृत योजनाओं की फेहरिस्त गिनाते अग्रवाल ने बताया कि सेट अप अप्रूव होने के साथ ही अगले छह महीने में कैंसर इस्टीट्यूट शुरू हो जाएगा। वहीं मल्टी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल को पीपीपी मॉडल पर संचालित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 3 घंटों की उच्च स्तरीय बैठक में पेश सारे विषय चाहे वह बजट में हो या आफ बजट के, प्रारंभ हो चुके हैं। उन्होंने दावा किया कि योजनाओं के पूर्ण होते ही आने वाले समय में बिलासपुर का स्वरूप बदला हुआ नजर आएगा।

अरपा विकास का मार्ग प्रशस्त

अमर अग्रवाल ने बताया कि बजट के इतर अरपा के जीर्णोद्धार की योजना के लिए अब कलेक्टर शासकीय भूमि 1 रूपए प्रति वर्ग फुट की दर पर अधिग्रहित कर सकेंगे। एनओसी की प्रक्रिया चल रही है और देश की जानी मानी संस्थाओं से इसका डीपीआर तैयार कराया जाएगा,ताकि अरपा विकास की योजना को मूर्त रूप दिया जा सके।

बिलासपुर के मंगला अपार्टमेंट में भीषण आग..दमकल ने कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया,रिहायशी परिसर में चल रहा था गोदाम,कमिश्नर बोले-कार्रवाई होगी

बिलासपुर,01 मार्च 2026। बिलासपुर के मंगला क्षेत्र स्थित गजमोहिनी अपार्टमेंट के निचले हिस्से में रविवार सुबह करीब 5 बजे भीषण आग लग गई। आग लगते ही पूरे परिसर में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। जानकारी के मुताबिक,अपार्टमेंट में कुल 48 फ्लैट हैं। हालांकि, कितने परिवार रह रहे हैं इसकी आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है। प्राथमिक जांच में सामने आया कि रिहायशी अपार्टमेंट का व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा था। ग्राउंड फ्लोर पर इलेक्ट्रॉनिक सामान का बड़ा गोदाम संचालित था। नगर निगम कमिश्नर प्रकाश कुमार सर्वे ने कहा कि रिहायशी अपार्टमेंट में गोदाम चलाना नियम विरुद्ध है।

संचालकों से दस्तावेज मांगे जाएंगे,नियम उल्लंघन पाए जाने पर कार्रवाई होगी। कमिश्नर ने शहर के सभी अपार्टमेंट का सर्वे कराने की बात कही,ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं रोकी जा सकें।

धुआं दिखते ही मची भगदड़ : सुबह सबसे पहले नीचे काम कर रहे कर्मचारियों ने धुआं उठते देखा। प्रत्यक्षदर्शी दिनेश कुमार मिश्रा के अनुसार, शुरुआत में हल्का धुआं था,कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया। सूचना दी गई,तब तक लपटें तेजी से फैल चुकी थीं।

शुरुआती दौर में पानी नहीं, दमकल एक घंटे बाद पहुंचा

मौके पर तत्काल पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं था। लोगों की संख्या भी कम थी, इसलिए शुरुआती प्रयास सफल नहीं हो सके। सूचना के करीब एक घंटे बाद फायर ब्रिगेड पहुंची और आग बुझाने का अभियान शुरू हुआ। फायर अधिकारियों ने बताया कि गोदाम बड़ा है, अंदर जाने का रास्ता संकरा है। धुआं,तेज गर्मी के कारण प्रवेश मुश्किल रहा। दीवार तोड़कर अंदर पहुंचने की कोशिश की गई। आग पर लगभग काबू पा लिया गया है, पूरी तरह नियंत्रण की प्रक्रिया जारी है।

3 मार्च से 5 मार्च तक जंगल सफारी में प्रवेश बंद

रायपुर,01 मार्च 2026। होली की छुट्टियों में अगर आप नवा रायपुर स्थित एशिया की सबसे बड़ी मानव-निर्मित नंदनवन जंगल सफारी घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण है। सफारी प्रबंधन ने होली पर्व और सालाना मेंटेनेंस कार्य को ध्यान में रखते हुए 3 मार्च से 5 मार्च 2026 तक जंगल सफारी को पर्यटकों के लिए पूरी तरह बंद रखने का फैसला लिया है। बता दें कि जंगल सफारी के संचालक सह वनमंडलाधिकारी द्वारा इस संबंध में अनुमति मांगी गई थी, जिस पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एवं मुख्य वन्यजीव वार्डन,छत्तीसगढ़ अरुण कुमार पांडे ने अनुमति प्रदान की है। जारी आदेश के अनुसार, तीन दिनों तक किसी भी पर्यटक को सफारी परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। सफारी प्रबंधन के अनुसार, होली के दौरान जंगल सफारी और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भीड़भाड़ और असामाजिक तत्वों की गतिविधियां बढ़ने की आशंका रहती है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)

CMYK